Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 283
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-सोमवार ,09 फरवरी 2026

लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 बिश्नोई गैंग के नाम पर 30 लाख की रंगदारी

4 भारत-अमेरिका व्यापार समझौताः मोदी नेतृत्व की

5 धनुष के साथ अफेयर की चचाओं के बीच

### पीएम मोदी ने मलेशिया में दिया पाकिस्तान को कड़ा संदेश

# आतंकवाद पर डबल स्टैंडर्ड नहीं चलेगा

- सुरक्षा से लेकर तकनीक तक कई क्षेत्रों में नई साझेदारी
- एशिया में स्थिरता और समृद्धि की नई दिशा

**कुआलालंपुरः** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संकेत दिया कि इस मुद्दे पर कोई दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और मलेशिया मिलकर आतंकवाद से लड़ाई में मजबूती से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे। हम खुफिया जानकारी साझा करने, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और रक्षा सहयोग को और गहरा करने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों देशों को एकजुट होकर काम करना होगा।

आतंकवाद पर साफ संदेश

पीएम मोदी के इस बयान को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों के लिए एक सीधा संकेत है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पाकिस्तान को लेकर भारत का सख्त रुख दशार्ता है, जहां आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने की पुरानी आदत रही है।

सुरक्षा से लेकर तकनीक तक कई क्षेत्रों में नई साझेदारी

- रक्षा और सुरक्षा : आतंकवाद विरोधी सहयोग, खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, समुद्री सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को बढ़ावा

तकनीक और नवाचार : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डिजिटल तकनीक और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में संयुक्त प्रयास

स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा : इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना

आर्थिक संबंध : सीईओ फोरम के जरिए व्यापार और निवेश के नए रास्ते खुले, दोनों देशों की कंपनियों को निवेश और कारोबार के बड़े अवसर

प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसे पर विशेष जोर देते हुए कहा, ₹रणनीतिक विश्वास के आधार पर हम आर्थिक परिवर्तन की नई राह बनाएंगे। यह साझेदारी सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका फायदा आम नागरिकों तक पहुंचेगा।

एशिया में स्थिरता और समृद्धि की नई दिशा

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ना चाहता है। मलेशिया के साथ बढ़ती साझेदारी इसी सोच का हिस्सा है। आने वाले समय में दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे, जिससे पूरे एशिया क्षेत्र में स्थिरता और विकास को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा ने न सिर्फ भारत-मलेशिया संबंधों को नया आयाम दिया है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के सशक्त और स्पष्ट रुख को भी दुनिया के सामने रख दिया है।

### प्रधानमंत्री ने की किसानों व श्रमिकों के हितों की रक्षा

# भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बोले नितिन नबीन

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख नितिन नबीन ने रविवार को कहा कि किसानों और श्रमिकों के हित सुरक्षित रखने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने "कूटनीतिक एवं धैर्यपूर्वक" अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया। नबीन ने यह बात रामलीला मैदान में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके कैबिनेट मंत्रियों के साथ 500 ई-बसों को हरी झंडी दिखाने के दौरान कही। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने "कूटनीतिक और धैर्यपूर्वक" अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया। नबीन ने कहा, "मैं इस समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देता हूं। उन्होंने किसानों, श्रमिकों के हितों की रक्षा की है और देश का आत्म-सम्मान बढ़ाया है।" उन्होंने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि 500 ई-बसें दिल्ली के लोगों के लिए एक उपहार है, जिन्होंने पिछले साल आठ फरवरी को विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी जीत दिलाई थी। दिल्ली विधानसभा चुनावों के आठ फरवरी, 2025 को घोषित परिणामों में भाजपा ने 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया। नबीन ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन जैसी विभिन्न पहल की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार ने पिछले एक साल में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता, जवाबदेह निर्णय लेने और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के साथ काम किया है। नवीन ने कहा कि दिल्ली में पिछली सरकार "बहाने" बनाती थी, जबकि भाजपा नीत सरकार अब प्रदर्शन और लोगों के लिए काम करने में विश्वास करती है।

## सार संक्षेप

### गैंगस्टर रवि काना के नेपाल में होने की आशंकाए पुलिस और एजेंसियां सतर्कए तलाश तेज

**बांदाए।** स्क्रैप माफिया और गैंगस्टर रवि काना की जेल से रिहाई के बाद अब पुलिस और जांच एजेंसियों को आशंका है कि वह देश से बाहर जा चुका है। सूत्रों के अनुसारए उसके नेपाल में होने की संभावना जताई जा रही है। इस मामले के सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और उसकी तलाश तेज कर दी गई है। जेल से रिहा होने के बाद से रवि काना सार्वजनिक रूप से कहीं भी दिखाई नहीं दिया है। वह न तो अपने ज्ञात ठिकानों पर मिला है और न ही स्थानीय पुलिस को उसकी मौजूदगी की कोई ठोस जानकारी मिल पाई है। आशंका है कि वह गिरफ्तारी या आगे की कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए देश छोड़ चुका है। पुलिस और एसओजी की टीमें रवि काना के पासपोर्टए यात्रा दस्तावेजों और मोबाइल लोकेशन से संबंधित जानकारी जुटा रही हैं। जांच में यह भी पड़ताल की जा रही है कि जेल से रिहाई के तुरंत बाद उसने किन.किन लोगों से संपर्क किया और उसकी आर्थिक गतिविधियां कहां.कहां जुड़ी हैं।

### अफगानिस्तान: काबुल में घर के अंदर विस्फोट, कम से कम 8 लोगों की मौत

**काबुल ।** अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर विस्फोट में कम से कम आठ लोग मारे गए। काबुल के गवर्नर कार्यालय ने शनिवार शाम जारी बयान में बताया कि घटना पुलिस डिस्ट्रिक्ट 21 में हुई, जहां एक परिवार अपने घर को ठंड से बचाने के लिए गैस हीटर का उपयोग कर रहा था। गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फट गया और इससे घर में मौजूद लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अफगानिस्तान में व्यापक आधुनिक हीटिंग प्रणाली न होने के कारण अधिकांश घर सर्दियों में अपने घर गर्म रखने के लिए गैस सिलेंडर या पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर रहते हैं। ऐसे हादसे अक्सर गैस रिसाव और विस्फोट के कारण होते हैं और गरीब देश में यह एक आम खतरा बन गया है। इससे पहले 5 फरवरी को पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से तीन महिलाएं मारी गई थीं और एक अन्य घायल हुई थी। उस घटना में भी परिवार गैस हीटर का उपयोग कर रहा था और गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ था। घायल पुरुष सदस्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ सप्ताह पहले, पूर्वी नंगरहार प्रांत के स्पिन घर जिले में गैस सिलेंडर विस्फोट में दो महिलाएं मारी गईं और दो बच्चे घायल हुए थे।

### पीयूष गोयल बोले

# अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने में कोई समस्या नहीं

नयी दिल्ली वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत को अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं खरीदने में कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने इसे एक बहुत ही मामूली आंकड़ा बताया, क्योंकि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था लगभग 2 लाख करोड़ डॉलर की मांग पैदा करेगी। भारत अमेरिका से लगभग 300 अरब डॉलर के उन सामानों का आयात कर सकता है, जो वह दूसरे देशों से खरीद रहा है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि हम आज भी 300 अरब डॉलर के उन सामानों का आयात कर रहे हैं, जिन्हें अमेरिका से मंगाया जा सकता है। हम पूरी दुनिया से आयात कर रहे हैं। अगले 5 वर्षों में यह बढ़कर दो लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने वाला है... मैंने अपने समकक्षों से कहा कि देखिए, मैं आपको भरोसा दिला सकता हूं कि भारत में मांग है, लेकिन आपको प्रतिस्पर्धी होना होगा। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की थी कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे को अंतिम रूप दे दिया है। दोनों पक्षों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान और उनके घटक, कीमती धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोल खरीदने की इच्छा जताई है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणा की है। इसलिए, मेरा मानना है कि हम देश में 10 गीगावाट के डेटा सेंटर देखेंगे और इसके लिए भारत को उपकरणों की आवश्यकता होगी, जिसकी आपूर्ति अमेरिका कर सकता है। यह पूछने पर कि क्या अमेरिका से 500 अरब डॉलर की खरीद योजना में बोइंग विमानों के वे ऑर्डर भी शामिल हैं जो भारत पहले ही दे चुका है, उन्होंने कहा कि हम जिस बारे में बात कर रहे हैं वह निरंतरता में है और इसमें वह सब शामिल है जो हम पहले से खरीद रहे हैं। आज भी भारत अमेरिका से 45-50 अरब डॉलर के बीच आयात कर रहा है, और ये वे उत्पाद हैं जिनका उत्पादन भारत नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें विमानों की आवश्यकता होगी। हमें विमानों के लिए इंजन चाहिए होंगे। हमें कलपुर्जों की आवश्यकता होगी। हमने बोइंग को ही विमानों के लिए पहले से 50 अरब डॉलर के ऑर्डर दिए हुए हैं। हमारे पास इंजनों के लिए ऑर्डर हैं। अगले 5 वर्षों के लिए लगभग 80-90 अरब डॉलर के ऑर्डर पहले ही दिए जा चुके हैं। हमें वास्तव में इससे भी अधिक की आवश्यकता होगी। मैंने पिछले दिनों पढ़ा कि टाटा कुछ और ऑर्डर देने की योजना बना रहा है। मेरा मानना है कि तेल, एलएनजी, एलपीजी और कच्चे तेल के अलावा केवल विमानन क्षेत्र के लिए ही हमें कम से कम 100 अरब डॉलर से अधिक की आवश्यकता है। देश को इस्पात उद्योगों के लिए कोकिंग कोल की आवश्यकता है। जब हम 300 अरब तक पहुंचेंगे, जो एक घोषित लक्ष्य है और इस्पात उद्योग में विस्तार बहुत तेज गति से हो रहा है। हमें अकेले कोकिंग कोल के लिए प्रति वर्ष 30 अरब डॉलर की आवश्यकता होगी। जिन उत्पादों का मैं उल्लेख कर रहा हूं, वे कांग्रेस के समय से जब संप्रग सत्ता में थी, तब से आयात किए जा रहे हैं।

### शताब्दी समारोह में बोले संघ प्रमुख,

# सभी को विश्वास में लेकर हो यूसीसी का निर्माण

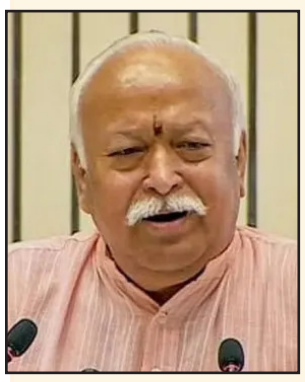

मुंबई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को बनाते समय सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए और इससे मतभेद नहीं पैदा होने चाहिए। भागवत ने आरएसएस के शताब्दी समारोह के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। हाल में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भागवत ने कहा कि समझौतों में लेन-देन होता है। उन्होंने कहा, यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद होना चाहिए... हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमें नुकसान न हो। हिंदुत्व विचारक वीर सावरकर को भारत रत्न सम्मान दिए जाने की मांग पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सावरकर को यह पुरस्कार दिए जाने से इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी। भागवत ने यह भी कहा कि आरएसएस के लिए अच्छे दिन स्वयंसेवकों की कड़ी मेहनत और वैचारिक नीतियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण आये हैं।

# भाजपा ने विपक्ष को मिल रहे मराठी समर्थन के कारण रितु तावड़े को मुंबई का महापौर चुनाः संजय राउत

**मुंबई।** शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में उनकी पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मिले मराठी लोगों के भारी समर्थन के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुंबई के महापौर के रूप में एक मराठी व्यक्ति को चुनना पड़ा। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी कटाक्ष किया। शनिवार को आरएसएस शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेता सलमान खान को संघ प्रमुख मोहन भगवत से बातचीत करते देखा गया था। राज्यसभा सदस्य ने पूछा,

क्या यह फिल्म अभिनेता सलमान खान का स्वागत था या (यह संदेश था कि) संघ व उसकी शाखाओं में मुसलमानों का भी स्वागत है? उन्होंने आरोप लगाया कि भागवत को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए क्योंकि जिस तरह से हिंदू-मुस्लिम नफरत और बदले की भावना से प्रेरित दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, उसमें संघ भी शामिल है। राउत ने मुंबई के महापौर पद के लिए भाजपा द्वारा रितु तावडे (53) को उम्मीदवार बनाए जाने पर कहा कि वह मूल रूप से कांग्रेस से हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास अपना कोई उम्मीदवार नहीं है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, जिस तरह से मराठी लोगों ने भारी बहुमत से शिवसेना (उबाठा) और मनसे को वोट दिया, भाजपा को मुंबई में एक मराठी महापौर बनाना ही पड़ा। रितु तावडे, मुंबई की महापौर बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और शिवसेना (उबाठा) द्वारा किसी प्रतिद्वंद्वी को मैदान में नहीं।

# बीजेपी मंत्री बोले, राहुल गांधी पप्पू थे, पप्पू हैं और पप्पू ही रहेंगे, कांग्रेस जहां कहीं रह भी गई है ,वहां भी नहीं रहेगी

**श्योपुर।** एमपी के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में कहा है कि वो पप्पू थे, पप्पू हैं और पप्पू रहेंगे। ये बयान काफी चर्चा में आ गया है। श्योपुर में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बीजेपी कार्यालय पर केंद्रीय बजट को प्रेस कांफ्रेंस की। इस मौके पर राकेश शुक्ला ने राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने वाले बयान पर पलटवार किया । उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा और कहां कि वह पप्पू है और पप्पू थे और पप्पू ही रहेंगे। जिन प्रदेशों में

कांग्रेस रह भी गई है वहां भी खत्म कर देंगे। प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला का यह बयान अब सुर्खियों में है। आपको बता दें कि बीते बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी बहस हो गई थी। राहुल गांधी ने इस दौरान रवनीत सिंह बिट्टू पर तीखा हमला करते हुए उन्हें गद्दार कह दिया। हालांकि यह वीडियो आने के बाद बीजेपी ने भी इस पर तुरंत पलटवार भी कर दिया था। शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा और उन्होंने भी उनके बयान पर पटलवार करते हुए कहा है उनके नेताओं से जो उम्मीद की जा सकती है.राहुल गांधी पप्पू थे.पप्पू है. और वह हमेशा पप्पू रहेंगे. उन्होंने कहा कि ऐसा मेरा मानना है उनकी बात को गंभीरता से लेना उसके यह परिणाम है जहां प्रदेशों में कांग्रेस रह गई है आने वाले परिणामों में भी नहीं रहेगी।

# बीजेपी नेता ने महिला को लाठी-लात-घूंसों से पीटा, बाल पकड़कर जमीन पर पटका, टपकमव आया सामने

**सीधी।** मध्यप्रदेश के सीधी जिले से महिला के साथ बर्बरता का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने कानून-व्यवस्था और राजनीतिक आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिहावल विधानसभा के बहरी गांव में एक बीजेपी नेता द्वारा महिला की सरे आम पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में भाजपा नेता संतोष पाठक महिला को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहा है।

आरोपी नेता कभी महिला पर लाठी बरसाता दिखता है, तो कभी बाल पकड़कर उसे जमीन पर पटक देता है। इसके बाद भी वह महिला को लात-घूंसे मारता रहा। महिला खुद को छुड़ाने की लगातार कोशिश करती रही, लेकिन आरोपी का हमला नहीं रुका। घटना के दौरान आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि किसी ने भी महिला को बचाने की कोशिश नहीं की।

पूरी वारदात का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना सीधी जिले की सिहावल विधानसभा के बहरी क्षेत्र की है। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेता की इस बर्बरता को लेकर राजनीतिक हलकों में भी हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस की कार्रवाई और प्रशासनिक प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

### निर्वाचन आयोग भाजपा का सहयोगी दल बन गया

# अखिलेश ने एसआईआर में बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का लगाया आरोप

**लखनऊ,(संवाददाता)।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सरकार द्वारा नियुक्त पेशेवर एजेंसियां उन चुनिंदा बूथों को निशाना बना रही हैं, जहां उनकी पार्टी ने चुनाव जीता है। अखिलेश यादव ने कहा, सरकार ने कुछ एजेंसियों को नियुक्त किया है जिनमें दिल्ली, लखनऊ और देशभर के अन्य स्थानों से काम कर रहे पेशेवर लोग शामिल हैं। उनके पास पूरी मतदाता सूची का डेटा उपलब्ध है और इसके माध्यम से वे उन बूथों की पहचान कर रहे हैं जहां समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है। फॉर्म-सात का उपयोग किसी के नाम को मतदाता सूची में शामिल करने या सूची से हटाने के लिए किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ने पहले ही चुनाव परिणामों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, एसआईआर के जरिए ही वे बिहार चुनाव जीतने में सफल हुए हैं। इसमें एसआईआर की अहम भूमिका रही है। यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल में भी यही करने की कोशिश कर रही है। इसलिए वहां की सरकार और मुख्यमंत्री बार-बार कह रही हैं कि निर्वाचन आयोग भाजपा का आयोग बन गया है। उच्चतम न्यायालय में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खुद पैरवी करने का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, उन्हें भाजपा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में पेश होने के लिए काला कोट पहनने को मजबूर किया गया। इससे पता चलता है कि किस तरह का भेदभाव हो रहा है और निर्वाचन आयोग भाजपा का सहयोगी दल बन गया है। सपा प्रमुख ने कहा कि कई पार्टी कार्यकर्ताओं और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के प्रहरियों ने संदिग्ध प्रपत्रों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा, समय-समय पर हमारे संगठन, पीडीए के प्रहरियों और जिम्मेदार नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हमें पहले से भरे हुए प्रपत्र सौंपे हैं। यादव ने कुछ विशिष्ट मामलों का जिक्र भी किया गया। उन्होंने कहा, दशरथ और नंदलाल से जुड़ा मामला अब सामने आया है। नंदलाल आज हमारे साथ हैं। मुझे खुशी है कि बहादुर नंदलाल हमारे साथ खड़े हैं। फर्जी हस्ताक्षरों का आरोप लगाते हुए यादव ने कहा, यह वही नंदलाल हैं जिनके हस्ताक्षर कथित तौर पर भाजपा द्वारा लिए गए थे। नंदलाल अंगूठे का निशान इस्तेमाल करते हैं।

# स्टील शहरों का संगमः अश्विनी वैष्णव ने आसनसोल बोकारो एम.ई.एम.यू. जीवनरेखा को दिखाई हरी झंडी

**गोरखपुर,:** पूर्वी भारत के औद्योगिक परिदृश्य में आज एक ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ, जब बहुप्रतीक्षित आसनसोलझ्रबोकारो स्टील सिटी एम.ई.एम.यू. सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। डिजिटल माध्यम और जनउत्साह से भरे इस समारोह में माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। समर्पित एम.ई.एम.यू. सेवा की शुरूआत के साथ ही हजारों श्रमिकों, छात्रों और छोटे व्यापारियों की वर्षों पुरानी यात्रा कठिनाइयों का अंत हो गया है, जो अब तक महंगी बसों और विलंबित एक्सप्रेस ट्रेनों पर निर्भर थे। औद्योगिक क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर नई सेवा पश्चिम बर्द्धमान, पुरुलिया और बोकारो के बीच एक तेज, किफायती ह्लस्टील कॉरिडोरह्व तैयार करती है। इस सेवा के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैंः ड्ड कार्यबल को सशक्त बनाएगीः दोनों शहरों के सेल प्रतिष्ठानों के तकनीकी कर्मचारी और श्रमिक अब प्रतिदिन सीधे और विश्वसनीय रेल संपर्क से जुड़ेंगे, जिससे औद्योगिक समन्वय मजबूत होगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावाः लंबी दूरी की ट्रेनों के विपरीत, एम.ई.एम.यू. छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी ठहराव देती है, जिससे पुरुलिया और आसपास के ग्रामीण




क्षेत्रों को दोनों स्टील शहरों के बड़े बाजारों तक सस्ती पहुंच मिलेगी। शिक्षा की नई राहः सैकड़ों छात्र अब राज्य सीमा पार स्थित कोचिंग सेंटरों और कॉलेजों तक प्रतिदिन आवागमन कर सकेंगे, जिससे हॉस्टल या किराए के महंगे खर्च से राहत मिलेगी। किफायती यात्राः कम लागत वाले मासिक सीजन टिकट से दैनिक मजदूरों के लिए लंबी दूरी की यात्रा आसान और सुलभ हो गई है। यात्रा मानकों में बड़ा बदलाव नई एम.ई.एम.यू. सेवा क्षेत्रीय परिवहन प्रणाली में व्यापक सुधार का प्रतीक है। पहले जहां यात्रियों को बस बदलने और ईंधन खर्च के कारण अधिक लागत उठानी पड़ती थी, वहीं अब सब्सिडी वाले मासिक टिकट यात्रा को बेहद किफायती बनाते हैं। विश्वसनीयता के मामले में भी यह सेवा सड़क जाम और मानसून के दौरान आने वाली बाधाओं से मुक्त होकर हर मौसम में तेज और समयबद्ध रेल संपर्क सुनिश्चित करती है। साथ ही, जहां पहले एक्सप्रेस ट्रेनें छोटे गांवों को नजरअंदाज करती थीं, अब यह सेवा स्थानीय स्टेशनों पर ठहराव देकर ग्रामीण पुरुलिया को बेहतर और सुरक्षित संपर्क प्रदान करती है। स्थानीय जीवन पर सकारात्मक प्रभाव इस सेवा से छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की संभावना है, क्योंकि नियमित यात्रियों की संख्या बढ़ने से नए व्यवसाय और सेवाएं विकसित होंगी। मानसून के दौरान भी ट्रेन की विश्वसनीयता क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सड़क अवरोधों से प्रभावित होने से बचाएगी और लोगों को सुरक्षित, सुगम तथा नियमित यात्रा सुविधा प्रदान करेगी।

## जनरेटर सह लगेजयान के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 07075/07076 हैदराबाद-गोरखपुर-हैदराबाद विशेष गाड़ी के संचलन अवधि में विस्तार किया गया है।

अवधि विस्तार-

-07075 हैदराबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी 20 एवं 27 फरवरी, 2026 को निर्धारित मार्ग से चलाई जायेगी तथा मंदमारि स्टेशन के नॉन इंटरलॉक कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण हैदराबाद से 13 फरवरी, 2026 को चलने वाली हैदराबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग सिकंदराबाद-मुदखेड़-पूर्णा-अकोला-इटारसी के रास्ते चलाई जायेगी।

-07076 गोरखपुर-हैदराबाद विशेष गाड़ी 15, 22 फरवरी एवं 01 मार्च, 2026 को निर्धारित मार्ग से चलाई जायेगी तथा मंदमारि स्टेशन के नॉन इंटरलॉक कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण हैदराबाद से 08 फरवरी, 2026 को चलने वाली हैदराबाद-गोरखपुर विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग इटारसी-अकोला-पूर्णा-मुदखेड़-सिकंदराबाद के रास्ते चलाई जायेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, शयनयान श्रेणी के 06, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 02, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा जनरेटर सह लगेजयान के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

## 2026 को तथा छपरा से 03 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 08863/08864 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी का संचलन गोंदिया से 01 मार्च, 2026 को तथा छपरा से 03 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा। 08863 गोंदिया-छपरा होली विशेष गाड़ी 01 मार्च, 2026 को गोंदिया से 17.00 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ से 18.02 बजे, राजनांदगांव से 18.28 बजे, दुर्ग से 19.25 बजे, रायपुर से 20.10 बजे, भाटापारा से 20.57 बजे, उस्लापुर से 22.25 बजे, पेन्ड्रा रोड से 23.43 बजे, दूसरे दिन अनूपपुर से 00.22 बजे, शहडोल से 00.57 बजे, उमरिया से 02.10 बजे, कटनी से 04.45 बजे, सतना से 06.10 बजे, मानिकपुर से 09.02 बजे, प्रयागराज छिवकी 10.55 बजे, चुनार से 12.02 बजे, वाराणसी जं. से 17.15 बजे, जौनपुर से 19.00 बजे, केराकत से 19.42 बजे, औंड़िहार से 20.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 21.00 बजे, बलिया से 22.10 बजे, रेवती से 22.52 बजे, बकुल्हा से 23.34 बजे छूटकर तीसरे दिन छपरा 00.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 08864 छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी 03 मार्च, 2026 को छपरा से 04.45 बजे प्रस्थान कर बकुल्हा से 05.20 बजे, रेवती से 05.54 बजे, बलिया से 06.40 बजे, गाजीपुर सिटी से 07.50 बजे, औंड़िहार से 08.45 बजे, केराकत से 09.40 बजे, जौनपुर से 10.35 बजे, वाराणसी जं. से 13.00 बजे, चुनार से 16.02 बजे, प्रयागराज छिवकी से 18.35 बजे, मानिकपुर से 20.32 बजे, सतना से 21.20 बजे, कटनी से 23.00 बजे, दूसरे दिन उमरिया से 00.45 बजे, शहडोल से 01.54 बजे, अनूपपुर से 02.38 बजे, पेन्ड्रा रोड से 03.20 बजे, उस्लापुर से 05.25 बजे, भाटापारा से 06.10 बजे, रायपुर से 07.20 बजे, दुर्ग से 08.15 बजे, राजनांदगांव से 08.40 बजे तथा डोंगरगढ़ से 09.06 बजे छूटकर गोंदिया 11.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10, शयनयान श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

## वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 08865/08866 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी का संचलन गोंदिया से 02 मार्च, 2026 को तथा छपरा से 04 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा। 08865 गोंदिया-छपरा होली विशेष गाड़ी 02 मार्च, 2026 को गोंदिया से 17.00 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ से 18.02 बजे, राजनांदगांव से 18.28 बजे, दुर्ग से 19.25 बजे, रायपुर से 20.10 बजे, भाटापारा से 20.57 बजे, उस्लापुर से 22.25 बजे, पेन्ड्रा रोड से 23.43 बजे, दूसरे दिन अनूपपुर से 00.22 बजे, शहडोल से 00.57 बजे, उमरिया से 02.10 बजे, कटनी से 04.45 बजे, सतना से 06.10 बजे, मानिकपुर से 09.02 बजे, प्रयागराज छिवकी 10.55 बजे, चुनार से 12.02 बजे, वाराणसी जं. से 17.15 बजे, जौनपुर से 19.00 बजे, केराकत से 19.42 बजे, औंड़िहार से 20.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 21.00 बजे, बलिया से 22.10 बजे, रेवती से 22.52 बजे, बकुल्हा से 23.34 बजे छूटकर तीसरे दिन छपरा 00.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 08866 छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी 04 मार्च, 2026 को छपरा से 04.45 बजे प्रस्थान कर बकुल्हा से 05.20 बजे, रेवती से 05.54 बजे, बलिया से 06.40 बजे, गाजीपुर सिटी से 07.50 बजे, औंड़िहार से 08.45 बजे, केराकत से 09.40 बजे, जौनपुर से 10.35 बजे, वाराणसी जं. से 13.00 बजे, चुनार से 16.02 बजे, प्रयागराज छिवकी से 18.35 बजे, मानिकपुर से 20.32 बजे, सतना से 21.20 बजे, कटनी से 23.00 बजे, दूसरे दिन उमरिया से 00.45 बजे, शहडोल से 01.54 बजे, अनूपपुर से 02.38 बजे, पेन्ड्रा रोड से 03.20 बजे, उस्लापुर से 05.25 बजे, भाटापारा से 06.10 बजे, रायपुर से 07.20 बजे, दुर्ग से 08.15 बजे, राजनांदगांव से 08.40 बजे तथा डोंगरगढ़ से 09.06 बजे छूटकर गोंदिया 11.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

## राजाराम को थी आशंका एनआरआई सिटी के निदेशक करा सकते हैं हत्या

**कानपुर।** अधिवक्ता राजाराम वर्मा ने अपनी मौत से दो साल पहले ही जमीन विवाद में हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस अब एनआरआई सिटी निदेशक और अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच कर रही है, जबकि जमीनों पर अवैध कब्जे की जांच एसआईटी को सौंपी गई है। कानपुर में अधिवक्ता राजाराम वर्मा ने मौत के दो साल पहले ही अपनी हत्या की आशंका जता दी थी, उन्हें जमीन के विवाद में हत्या किए जाने का डर था। उन्हें लगता था कि जमीन के विवाद में एनआरआई सिटी के निदेशक और अन्य लोग उनकी हत्या करा सकते हैं। ऐसे में उन्होंने वर्ष 2019 में ही एंटी भूमाफिया सेल, डीएम कार्यालय, नवाबगंज थाने को भेजी ई-मेल में इसकी आशंका जता दी थी। पुलिस अब इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रही है। साथ ही जमीन कब्जे के मामले की जांच एसआईटी करेगी। अधिवक्ता राजाराम ने वर्ष 2010 में जमीन के विवाद में 18 लोगों के खिलाफ कूटरचना, धोखाधड़ी, दस्तावेजों में जालसाजी आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की अग्रिम विवेचना कर रहे कोतवाली प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि इसमें से केवल राजबहादुर, रामकुमार और रामचंदर के खिलाफ पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था। मजदूर डर कर भाग गए थे और काम बंद हो गया था बाकी को साक्ष्य के अभाव में क्लीनचिट दे दी थी। इसके बाद राजाराम ने एक बार फिर आरोपियों के खिलाफ थाने से लेकर डीएम कार्यालय तक शिकायत की। इस बार उन्होंने लिखा था कि वह एनआरआई सिटी के अंदर अपनी कृषि योग्य भूमि पर मजदूरों से काम करा रहे थे। आरोप है कि तभी निदेशक, राम खिलावन और राजबहादुर ने मजदूरों को धमकाते हुए उनकी हत्या करवा देने की बात कही थी। इसके बाद मजदूर डर कर भाग गए थे और काम बंद हो गया था। आसाराम बापू के आश्रम से लेकर गेस्टहाउस तक कब्जा कोतवाली इंस्पेक्टर के अनुसार कई विवादित जमीनों पर कब्जे की शिकायत आई है। यह शिकायत राजाराम के बेटे नरेंद्र देव ने की है। इनमें मैनावती मार्ग स्थित आशाराम बापू का आश्रम भी शामिल है। आरोप है कि आशाराम बापू के जेल जाने के बाद आरोपियों ने उनके आश्रम पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा कनक सोसाइटी, आम्रपाली सोसाइटी भी शामिल हैं। केटीएल व नेक्सा यार्ड शोरूम पर कब्जे की शिकायत इनकी जांच की जा रही है। इनके अलावा रेल बाजार थाना क्षेत्र स्थित रॉयल गार्डन गेस्ट हाउस के अलावा एनआरआई सिटी के पास स्थित नारायण हैरिटेज गेस्ट हाउस और सिंहपुर स्थित केटीएल व नेक्सा यार्ड शोरूम पर कब्जे की शिकायत है। मैनावती मार्ग पर एक और जमीन है। इस पर कई बड़े लोगों द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत पीड़ित पक्ष ने की है। राकेश ने बेड रेस्ट की बात कह मांगा 15 दिन का समय बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राकेश तिवारी को पुलिस ने नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, उन्होंने अपने वकील के माध्यम से नोटिस का जवाब देते हुए 15 दिन का समय मांगा है। विवेचक के अनुसार राकेश तिवारी का स्वस्थ खराब है। डॉक्टरों ने उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी है। इसके चलते उन्होंने 15 दिन तक पूछताछ के लिए आने थाने आने में असमर्थता जताई है।

## पहली बार भजन, बीट्स और आत्मिक अनुभूति 28 फरवरी को  की विशेष प्रस्तुति

**कानपुर।** 28 फरवरी 2026 को कानपुर में शिवोहम का आयोजन कर रहा है, जहां भजन क्लबिंग और एआई तकनीक के जरिए 12 ज्योतिलिंगों के दर्शन के साथ भक्तों को एक अलौकिक आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। देशभर में भक्ति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। खासतौर पर युवा वर्ग अब भक्ति को नए अंदाज में जी रहा है। मेट्रो शहरों में तेजी से लोकप्रिय हो रही भजन क्लबिंग जहां पारंपरिक भक्ति आधुनिक संगीत, बीट्स, लाइट्स और टेक्नोलॉजी के साथ एक नई ऊर्जा में ढल जाती है, अब कानपुर पहुंचने जा रही है। इस उभरते ट्रेंड को पहचानते हुए अमर लेकर आ रहा है एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक अनुभव 'शिवोहम'। जो 28 फरवरी 2026 को कानपुर में आयोजित होगा। 'शिवोहम' कोई साधारण म्यूजिकल कॉन्सर्ट नहीं, बल्कि भक्ति, संस्कृति और आत्मिक जागरण का एक विराट उत्सव है। यह आयोजन कानपुर की धार्मिक चेतना और गहरी आस्था से सीधे जुड़ता है। गंगा तट



की पावन भूमि कानपुर, जहां शिवभक्ति सदियों से जीवन का हिस्सा रही है, वहां 'शिवोहम' श्रद्धा को एक नए आधुनिक और भव्य रूप में प्रस्तुत करेगा। आस्था और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम इस दिव्य आयोजन में प्रवेश करते ही दर्शक स्वयं को शिव तत्वों से सराबोर एक अलौकिक वातावरण में पाएंगे। कैलाश मानसरोवर से प्रेरित भव्य साज-सज्जा, दिव्य प्रकाश व्यवस्था और शांत ध्वनियां ऐसा अनुभव कराएंगी मानो भक्त स्वयं शिवलोक की यात्रा पर निकल पड़े हों। आस्था और आधुनिक तकनीक के अनूठे संगम में यहां देखने को मिलेंगे12 ज्योतिलिंगों के एआई दर्शन अनुभव के माध्यम से, जहां भक्त डिजिटल तकनीक के जरिये इन पवित्र धामों का साक्षात्कार कर सकेंगे। स्वाद का भी होगा खास इंतजाम आयोजन स्थल पर होगा एक खास सात्विक फूड कोर्ट, जहां शुद्ध और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा। इसके अलावा शिवभक्तों के लिए तैयार किया गया एक विशेष मार्केट प्लेस, जहां फेस पेंटिंग, टैटू आर्ट और शिव थीम पर आधारित कई आकर्षक और अनोखे स्टॉल्स भक्तों को अपनी ओर खींचेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन के टिकट ऊ२३१ एप पर उपलब्ध हैं। सीटें सीमित हैं। इसलिए देर न करें। अभी बुक करें और इस दिव्य उत्सव का हिस्सा बनें। टिकट बुक करने के लिए दफकोड स्कैन करें। कार्यक्रम के आकर्षण ऊर्जा से भरपूर शिव तांडव नृत्य प्रस्तुति, युवाओं को झूमने मजबूर करने वाला डिवोशनल डीजे बीट्स और एक भव्य साउंड व लेजर शो, जो दर्शकों को एक अलग ही आध्यात्मिक लोक में ले जाएगा।` इस पूरी आध्यात्मिक यात्रा का शिखर होगा देश के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर और उनकी कैलासा बैंड की भव्य प्रस्तुति, जहां शिव भजनों की गूंज हर मन और आत्मा को छू जाएगी 'शिवोहम केवल संगीत का आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को भीतर तक झकझोर देने वाला एक आध्यात्मिक जागरण है। एक ऐसा अनुभव जिसे हर उम्र का व्यक्ति अपने परिवार और मित्रों के साथ जीना चाहेगा। यदि आपने इस आयोजन को मिस किया, तो निश्चित रूप से आप कुछ बेहद खास अनुभव करने से चूक जाएंगे।

## शुभम जायसवाल का सहयोगी अमित जायसवाल दिवेश जायसवाल समेत पांच गिरफ्तार

**वाराणसी।** कोडीन कफ सिरप मामले में सरगना शुभम जायसवाल का मुख्य सहयोगी अमित जायसवाल, दिवेश जायसवाल समेत पांच अभियुक्तों को कोतवाली पुलिस ने मिजार्पुर लिंक रोड से गिरफ्तार किया है। दोनों मुख्य आरोपी 25-25 हजार के इनामी हैं। कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी करने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। थाना कोतवाली कमिश्नरेट वाराणसी पर दर्ज मुकदमा संख्या 235/2025 से संबंधित वांछित पांच अभियुक्तों को एसआईटी टीम ने गिरफ्तार किया है। इनमें तीन अभियुक्त 25-25 हजार रुपये के इनामी और वारंटी हैं। फर्जी बिलों से चलता था तस्करी का खेल पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे फर्जी व कूटरचित जीएसटी इनवॉइस और ई-वे बिल के जरिए रांची (झारखंड) स्थित शैली ट्रेडर्स के माध्यम से कोडीन युक्त न्यू फैंसाडिल कफ सिरप की भारी



खेप मंगवाते थे। इस सिरप को औषधीय उपयोग के बजाय नशे के लिए देश के विभिन्न राज्यों में मेडिकल फर्मों के जरिए खपाया जाता था। गिरोह के सदस्य शुभम जायसवाल के केबीएन प्लाजा स्थित कार्यालय में बैठक कर पूरी साजिश रचते थे। यहीं तय होता था कि पैसा कैसे बैंकों में जमा कराना है और फर्मों को नकद भुगतान कैसे करना है। अभियुक्तों ने कबूल किया कि अब तक करीब 25 लाख बोतलों की तस्करी कर हवाला के जरिए 40 करोड़ रुपये का अवैध कारोबार किया गया, जिसमें से करीब आठ करोड़ रुपये का सीधा आर्थिक लाभ उन्हें मिला।

## संक्षिप्त खबरें

### पोस्टमार्टम में नहीं खुली रामसागर की मौत की वजह

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के पिलखाव गांव के कनिष्ठ सहायक राम सागर तिवारी की मौत का राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी नहीं खुल सकी। डॉक्टरों ने बिसरा सुरक्षित कर लिया है। शुक्रवार की रात को परिजनों ने राम सागर के शव का अयोध्या धाम में अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक वे बड़े ही मृदुल स्वभाव के थे। परिवार के लोगो का रो रोकर बुरा हाल है। बता दें कि जिला उद्योग केंद्र बस्ती में कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात राम सागर तिवारी (58) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार की सुबह पिलखाव गांव में ट्यूबवेल के पास झाड़ियों में मिला था। पुलिस के अनुसार, मौके से जहर की शीशी मिली थी। सूत्रों की मानें तो एक रिश्तेदार द्वारा उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था, इससे वे काफी परेशान हो गए थे। रिश्तेदार द्वारा उन्हें लगातार धमकाया जा रहा था, इसी से पारिवारिक कलह बढ़ गई थी। एसओ आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पोस्टमार्टम में भी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। बिसरा सुरक्षित कर लिया गया। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

### पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के केवटली गांव में शनिवार की सुबह सागौन के पेड़ से केबल के सहारे एक युवक का शव लटका मिला। इससे सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की पहचान केवटली गांव निवासी राम बहादुर के पुत्र अजय (27) के रूप में हुई। प्रदूषणप्रीमियम स्वच्छ हवा, वादे और वित्तीय मकड़जाल; भारत जैसे देशों पर क्यों पड़ रहा है प्रदूषण का सबसे बड़ा बोझ? परिजनों के अनुसार अजय तनाव के दौर से गुजर रहा था। वह सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी पत्नी प्रिया कुमारी और दो वर्ष की एक बेटी रोशनी है। अजय पांच भाइयों में सबसे बड़ा था। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात अजय पत्नी के साथ घर में सो रहा था। रात में कब वह घर से निकला गया, इसकी भनक नहीं हो सकी। सुबह गांव के बाहर पेड़ से उसका शव लटका मिला। थानाध्यक्ष सुनील कुमार गौड़ का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण की पुष्टि हो सकेगी।

### आठ गैंगस्टर को आठ साल की सजा, 20-20 हजार रुपये अर्थदंड

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने शनिवार को आठ गैंगस्टरों को आठ-आठ साल की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न भरने पर छह महीने अतिरिक्त जेल में रहना पड़ेगा। रुधौली के तत्कालीन थानेदार विजय शंकर गिरि 15 मार्च को हमराहियों के साथ सरकारी जीप से क्षेत्र के भ्रमण पर जा रहे थे। इस दौरान संज्ञान में आया कि ग्राम पैड़ा निवासी खलीलुल्लाह गैंग बनाकर संगठित अपराध करता है। उसके गैंग के गुर्गे हमीदुल्लाह, बैतुल्लाह, हबीबुल्लाह, समीउल्लाह, बसीउल्लाह, अब्दुल गफ्फार, रहमतुल्लाह तथा ग्राम खम्मा के सरफुद्दीन आदि हैं। गैंग सरगना खलीलुल्लाह अपने गुर्गों के साथ अपराध, सामूहिक हिंसा एवं समाज विरोधी क्रिया-कलाप करने में लिप्त है।

### गौर सीएचसी में घंटों तड़पता रहा घायल युवक, हंगामा

गौर। सड़क दुर्घटना में घायल युवक को रात में गौर सीएचसी पर इलाज न मिलने से स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त की है। शुक्रवार की रात करीब 10 बजे चकचई ओवरब्रिज पर रोहन (25) सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। स्थानीय लोग इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौर ले गए। रात में डॉक्टर के न रहने पर घंटों इलाज के लिए मरीज तड़पता रहा। अस्पताल में डॉक्टरों के मौजूद न रहने पर स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा देख फार्मासिस्ट ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, गौर थाना क्षेत्र के रामवापुर गांव निवासी रामतीरथ का बेटा रोहन कहीं गया था। रात में बाइक से घर लौटते समय गौर बाजार के पास स्थित चकचई ओवरब्रिज पर रात में अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी पर ले गए, जहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं मिला और घंटों इलाज के लिए युवक तड़पता रहा। सूचना पाकर परासडीह गांव के भाजपा नेता पंडित अमन शुक्ल अपने साथियों के साथ अस्पताल पर पहुंचे और इलाज के लिए ओपीडी कक्ष व आवास पर चक्कर लगाते रहे, मगर कोई डॉक्टर नहीं मिले।

### संदिग्ध हालात में युवक लापता, अपहरण की आशंका

रुधौली। थाना क्षेत्र के बिजलपुर गांव निवासी सोनू चौधरी (22) शुक्रवार की देर रात रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताई है। युवक की तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस ने कई जगह दबिश भी दी, मगर कामयाबी नहीं मिल पाई। चर्चा है कि जमीन के काम में उसने कम दिनों में अच्छी रकम कमा ली थी। साथ ही, पुलिस प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला मानकार भी छानबीन कर रही है। सोनू के मौसेरे भाई संजय चौधरी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि सोनू शुक्रवार की दोपहर में कुछ जरूरी काम से अपनी चार पहिया वाहन से बस्ती गया था। गाड़ी चलाते वक्त वह अपनी मंगेतर से मोबाइल पर बात कर रहा था। सोनू की मंगेतर ने उसे बताया है कि लौटे वक्त वह कोहरा नहर से हनुमानगंज की तरफ मुड़ा था, तभी चार-पांच लोगों ने उसकी कार रोकवा लिया। सोनू ने फोन रख दिया, मगर स्पीकर खुला था। इससे पूरी बात सुनाई दे रही थी। इसके बाद मोबाइल का स्वीच ऑफ हो गया और तब से सोनू भी लापता है। इस संबंध प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर युवक के अपहरण के आरोप में अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसओजी सहित छह टीमें युवक को खोजने में लगी हैं। जल्द की कामयाबी मिलने की उम्मीद है।

### महिला की पिटाई के आरोप में सात आरोपियों पर प्राथमिकी

बहादुरपुर। घर में घुसकर महिला की पिटाई करने के सात आरोपियों पर कलवारी पुलिस ने शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। कलवारी थाना क्षेत्र के गौरिया की रहने वाली नंदिनी ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि आठ सितंबर 2025 की शाम करीब बजे पुरानी रंजिश को लेकर दिलीप, संदीप, राहुल, रोहित, अनुराग, आयुष, अनूप निवासी गौरिया व अर्शदीप निवासी सैनिया लारा थाना दुबौलिया एक राय होकर उसके दरवाजे पर आ गए। उसके घर लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया। गाली देते हुए मारने के लिए दौड़ा लिया। वह घर में चली गई।

## अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित वैभव सूर्यवंशी सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंडर-19 विश्व कप के लिए चुनी गई सर्वश्रेष्ठ टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। दिलचस्प बात यह है कि विश्व विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे का नाम इसमें शामिल नहीं है। अंडर-19 विश्व कप खत्म हो चुका है और रविवार को आईसीसी ने टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित की। इसमें फाइनल मुकाबले में दमदार पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है, जबकि अन्य दो भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं। हालांकि, कप्तान आयुष म्हात्रे सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह नहीं बना सके। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली। भारत छठी बार बना विजेता भारत ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता। कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि हेनिल के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का शानदार स्पैल भी शामिल था। उप विजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ी टीम में जगह बनाने में सफल रहे जिसमें थॉमस रेव को कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है।

### ब्राह्मणों पर फोकस, मिशन-2027 की तैयारी

# क्या मायावती फिर खेलेंगी 2007 वाला ब्राह्मण कार्ड?

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में अगड़ा बनाम पिछड़ा को लेकर चल रही सियासी घमासान के बीच बहुजन समाज पार्टी एक बार फिर अपनी पुरानी लेकिन आजमाई हुई रणनीति की ओर लौटती दिख रही है...बीएसपी सुप्रीमो मायावती 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सवर्ण मतदाताओं, खासकर ब्राह्मण वोट बैंक को साथ लाने की ठोस तैयारी में जुट गई हैं...पार्टी का मानना है कि यदि अपने पारंपरिक बेस वोटर के साथ सवर्ण समाज का समर्थन मिल जाए, तो सत्ता की राह एक बार फिर आसान हो सकती है। हाल के दिनों में मायावती के बयानों पर नजर डालें तो साफ संकेत मिलता है कि ब्राह्मण समाज उनके राजनीतिक एजेंडे के केंद्र में है... लगातार सार्वजनिक मंचों से वे ब्राह्मणों के सम्मान, सुरक्षा और हितों की बात कर रही हैं... बीते शनिवार हुई अहम बैठक में भी मायावती ने ब्राह्मण समाज के योगदान और उनके अधिकारों का जिक्र करते हुए पार्टी नेताओं को इस दिशा में सक्रिय रहने के निर्देश दिए। बीएसपी नेतृत्व को ये भी याद है कि अतीत में सवर्णों के सहयोग से ही पार्टी ने सत्ता का स्वाद चखा था... साल 2007 के विधानसभा चुनाव में ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्व के नारे के साथ मायावती ने दलित, पिछड़े और सवर्ण समाज को एक मंच पर लाकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी३ अब करीब दो दशक बाद एक बार फिर उसी सामाजिक समीकरण को दोहराने की कोशिश हो रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मायावती अपने कोर वोट बैंक के साथ-साथ सवर्ण समाज को जोड़कर एक व्यापक सामाजिक गठबंधन खड़ा करना चाहती हैं...और यही वजह है कि ब्राह्मणों को लेकर उनका रुख लगातार नरम नजर आ रहा है...पार्टी के भीतर भी इस रणनीति को लेकर हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में बीएसपी के बड़े नेता जिलों का दौरा शुरू करेंगे... इन दौरों में खासतौर पर ब्राह्मण समाज के प्रभावशाली लोगों से संवाद, बैठकें और सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे... पार्टी का उद्देश्य जमीनी स्तर पर भरोसा कायम करना और ये संदेश देना है कि बीएसपी सिर्फ एक वर्ग की नहीं, बल्कि सर्व समाज की पार्टी है...और वही पुराना नारा है ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्व। कुल मिलाकर, 2027 विधानसभा चुनाव के लिए मायावती ने ब्राह्मणों को केंद्र में रखकर बिगुल फूंक दिया है.... सवाल बस इतना है कि क्या 2007 का सर्वजन प्रयोग एक बार फिर बीएसपी को सत्ता के शिखर तक पहुंचा पाएगा... या बदलते राजनीतिक हालात में ये रणनीति नई चुनौतियों से जूझती नजर आएंगी...इसका जवाब आने वाले महीनों की राजनीति में साफ होता नजर आएगा।

## हिंदूवादी संगठन का मुर्शिदाबाद बाबरी मस्जिद गिराने का ऐलान, राजधानी में होर्डिंग्स लगीं

लखनऊ,(संवाददाता)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने 10 फरवरी को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जाने का ऐलान किया है। लखनऊ में संगठन की ओर से होर्डिंग लगाई गई हैं। उस पर लिखा- हुमायूं हम आएंगे३बाबरी फिर से गिराएंगे। बंटोगे तो कटोगे। हिंदुओं की विरोधी सरकार में, इस बार होगा मुर्शिदाबाद में नई बाबरी पर आरपार। होर्डिंग पर 10 फरवरी को मुर्शिदाबाद चलने की अपील भी की गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का फोटो भी लगाया गया है। लखनऊ के 1090 चौराहा से गोमती नगर के बीच शनिवार देर रात में 5 होर्डिंग्स लगाई गई है। उनपे मुर्शिदाबाद में निमार्णाधीन बाबरी मस्जिद का उल्लेख किया गया है। एक ओर भगवान श्रीराम और विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अध्यक्ष गोपाल राय की तस्वीर लगी है। दूसरी ओर ममता बनर्जी और विधायक हुमायूं कबीर की तस्वीर है। हुमायूं को बाबर का गेटअप दिया गया है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद (वीएचआरपी) ने होर्डिंग लगवाने के साथ ही यह भी ऐलान किया है कि कार्यकर्ता 10 फरवरी को मुर्शिदाबाद जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि संगठन ने 10 फरवरी को मुर्शिदाबाद जाने का कार्यक्रम तय किया है। होर्डिंग में इसी कार्यक्रम को लेकर संदेश दिया गया है गोपाल राय ने कहा पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर ने 11 फरवरी से मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का निर्माण शुरू करने की बात की है। इस वजह से हम लोग 10 फरवरी को यहां से मुर्शिदाबाद जाने की तैयारी कर लें। 10 फरवरी को हम लोग यहां से निकलें। वहां 11 फरवरी की सुबह प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा अगर जरूरत पड़ेगी तो हम लोग वहां हुमायूं कबीर की कब्र खोदने का भी काम करेंगे। वहां की हिंदू विरोधी सरकार को भी उखाड़ फेंकनी है। होर्डिंग लगने के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने का दावा किया है।

## बीबीडी थाने पर धरने पर बैठीं सपा पार्षद,बोलीं विधायक बेदी राम के खिलाफ हो एफआईआर

लखनऊ,(संवाददाता)। सपा पार्षद ममता रावत अपने समर्थकों के साथ बीबीडी थाने पर धरना शुरू कर दिया है। वह सुभासपा विधायक बेदी राम पर मुकदमा नहीं दर्ज होने को लेकर आक्रोशित हैं। उन्होंने साफ कह दिया है कि जब तक विधायक के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज हो जाएगा, थाने से नहीं हटेंगी। उनके समर्थकों में भी भारी आक्रोश है। वे विधायक बेदी राम मुदार्बाद के नारे लगा रहे हैं। समर्थकों का कहना है टेंट मंगवाकर धरना देंगे। इससे थाने पर गहमागहमी की स्थिति बनी हुई है। वहीं, नगर निगम की ओर से भी आज विधायक बेदी राम के खिलाफ शिकायत दी जा सकती है। सपा पार्षद ममता रावत ने 7, फरवरी, शनिवार को विधायक बेदी राम के खिलाफ बीबीडी थाने में शिकायत दी थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने मामले में मुकदमा नहीं दर्ज किया है। इस पर आज, 8 फरवरी को वह अपने समर्थकों के साथ बीबीडी थाने आई हैं। पार्षद ममता रावत का कहना है कि सुभासपा विधायक बेदीराम ने मेरे लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। गालियां दी हैं। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भी इस संबंध में अवगत कराया है। मेयर सुषमा खर्कवाल को भी लिखित में शिकायत दे चुकी हैं। ममता चौधरी ने इस प्रकरण को लेकर काफी आक्रोशि हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा विधायक बेदी राम ने मुझे गालियां दी हैं। मैं इसकी एफआईआर कराउंगी। कार्रवाई नहीं होने पर धरना दूंगी। विधायक का यह अधिकार नहीं है कि एक महिला पार्षद को गालियां दें। गोमतीनगर के भरवारा के गंगोत्री विहार फेज-टू में नाले पर अवैध कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। यहां सुभाषपा विधायक बेदीराम का मैरिज हॉल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विधायक ने नाले की जमीन पर कब्जा कर रखा है। 6 फरवरी को बेदीराम का एक वीडियो सामने आया था। आरोप है कि इस वीडियो में विधायक फोन पर लेखपाल कौशल को डांट-फटकार रहे हैं। कह रहे हैं कि तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई, वहां जाने की? नौकरी करना मुश्किल कर दूंगा। इस पर जब लेखपाल स्थानीय महिला पार्षद ममता चौधरी के कहने पर कार्रवाई की बात कहते हैं तो विधायक महिला पार्षद को भी गालियां देते हैं।

# बिश्नोई गैंग के नाम पर 30 लाख की रंगदारी मांगी,कारोबारी का पूर्व सेल्समैन गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक दवा कारोबारी को कुख्यात बिश्नोई गैंग के नाम से 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। दवा कारोबारी गौरव बत्रा ने सरोजनी नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। चिनहट के रोहित रेजिडेंसी, विकल्प खंड निवासी गौरव बत्रा सरोजनी नगर के हिन्द नगर, कानपुर रोड स्थित करुण इंटरप्राइजेज में प्रबंधक हैं। उनके अनुसार, 30 जनवरी 2026 की सुबह करीब साढ़े नौ बजे जब वे अपने कार्यालय पहुंचे, तो फर्म के गार्ड सत्य नारायण ने उन्हें एक बंद लिफाफा दिया। उस पर उनका नाम लिखा था। गार्ड ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने रात में लिफाफा उन्हें देने के लिए दिया था। गौरव बत्रा ने बताया कि लिफाफे पर हिंदी और अंग्रेजी में उनका नाम लिखा था। श्केवल वही खोलेंश लिखा था। लिफाफा खोलने पर अंदर हाथ से लिखा एक पत्र निकला। पत्र में खुद को बिश्नोई गैंग, पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़ा बताते हुए 30 लाख रुपये की मांग की गई थी। पत्र में यह भी धमकी दी गई थी कि यदि रकम नहीं दी गई, तो गौरव बत्रा, उनके गोदाम और कार्यालय के कर्मचारियों को जान से मार दिया जाएगा। इस धमकी भरे पत्र के बाद से वह काफी डरे हुए हैं। उन्हें अपनी तथा कर्मचारियों की जान का खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने सरोजनी नगर थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस की जांच में आया है कि दवा कारोबारी के पूर्व कर्मचारी ने ही यह हरकत की है। इस पर पुलिस ने कारोबारी के पूर्व सेल्समैन उमेश कुमार यादव को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी उमेश से पूछताछ की गई। उसने बताया कि वह गौरव बत्रा के गोदाम पर काम करता था। उसे सेटलमेंट ड्यूज नहीं दिया जा रहा था, जिसकी वजह से उसने अगस्त 2025 में काम छोड़ दिया था। उसने 7 लाख रुपए बैंक से लोन ले रखा है, जिसकी किस्तें न अदा कर पाने की वजह से परेशान था। उसे पता था कि गौरव बत्रा अच्छा पैसा कमाते हैं। उसने फिल्में व वेब सीरीज काफी देखी है। जिसे देखकर उससे रंगदारी वसूलने का आइडिया आया। तब उसने यह प्लान बनाया और अपनी स्कूटी से हिंद नगर पहुंचा। स्कूटी को छुपा कर खड़ी दी। शॉल ओढ़कर हेलमेट लगाकर दवा गोदाम पहुंचा। वहां गार्ड को लिफाफा देकर चुपके से निकल गया। लिफाफे के ऊपर लिख रखा था कि सिर्फ दवा कारोबारी गौरव बत्रा ही इसे खोलें। उसने अंदर यह भी लिखा था कि 15 दिन के अंदर 30 लाख रुपए दे दें, नहीं तो उन्हें और उनके कर्मचारियों को जान से मार दिया जाएगा। अंदर यह भी लिखा कि अगर यह रकम देना चाहते हैं तो गेट के दोनों ओर भगवा झंडा लगा दें, जिससे हम समझ जाएंगे कि पैसे मिले जाएंगे। पुलिस की जांच में आया कि आरोपी उमेश कुमार ने यह पत्र खुद अपने हाथ से लिखा था। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल और आसपास लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। उसकी मदद से आरोपी तक पहुंचे। आरोपी को बिजनौर के रहीमाबाद रोड से आज दोपहर करीब 12 बजे गिरफ्तार किया गया। उसके पास से घटना में इस्तेमाल की गई स्कूटी, हेलमेट और शॉल बरामद की गई। उमेश कुमार यादव मूल रूप से बलिया जिले के खजुरी थाना क्षेत्र के बिसहर गांव का रहने वाला है। वर्तमान में बिजनौर थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ कैंपस के पास सैनिक एन्क्लेव में रहता था।

# फर्जी बैनामा कराने वाले गिरोह का चौथा आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। मोहनलालगंज पुलिस ने कृषि भूमि के फर्जी बैनामे से जुड़े एक संगठित धोखाधड़ी गिरोह का पदार्फाश किया है। इस मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। यह प्रकरण ग्राम उदयपुर निगोहां स्थित कृषि योग्य भूमि के कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अवैध विक्रय से संबंधित है। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज के अनुसार, थाना मोहनलालगंज में एक मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़िता विमला सिंह, पत्नी स्वर्गीय अवधराज सिंह ने शिकायत की थी कि उनके दिवंगत पति के नाम दर्ज भूमि का फर्जी व्यक्ति खड़ा कर बैनामा करा लिया गया है। जांच में सामने आया कि गाटा संख्या 296, रकबा 0.449 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में स्वर्गीय अवधराज सिंह और लता स्नेहलता वर्मा के नाम सह-खातेदार के रूप में दर्ज थी। अवधराज सिंह की मृत्यु 16 फरवरी 2023 को हो चुकी थी। अभियुक्तों ने एक अज्ञात व्यक्ति को अवधराज के रूप में प्रस्तुत कर 18 जुलाई 2024 को लगभग 17 बिस्वा भूमि का बैनामा करा दिया। विवेचना में यह भी पाया गया कि राजकुमार, ज्ञानेन्द्र राजपूत, कमल यादव, सर्वेश और हरिशंकर उर्फ शंकर ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत फर्जी आधार कार्ड, फर्जी फोटो, कूटरचित दस्तावेज और फर्जी गवाह का इस्तेमाल किया। बैनामे की धनराशि प्राप्त करने के लिए मृतक के नाम से बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कल्ली पश्चिम में एक फर्जी खाता भी संचालित किया गया। पुलिस के अनुसार, इस प्रकरण में भूमि क्रेता हेतराम पाल, निवासी शारदा नगर, आशियाना, लखनऊ स्वयं ठगी का शिकार हुए। उन्होंने भूमि क्रय के लिए कुल 7 लाख 20 हजार रुपये चेक और नकद के माध्यम से दिए, जिसे अभियुक्तों ने धोखाधड़ी से हड़प लिया। पुलिस ने पहले ही अभियुक्त राजकुमार, ज्ञानेन्द्र राजपूत और सर्वेश को गिरफ्तार कर लिया था। इसी क्रम में 7 फरवरी 2026 को मोहनलालगंज पुलिस टीम ने अभियुक्त हरिशंकर उर्फ शंकर को थाना पीजीआई क्षेत्र स्थित गणपति स्वीट्स के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, और अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है। आरोपी हरिशंकर उर्फ शंकर ने पुलिस पूछताछ में स्वीकार किया कि वर्ष 2024 में उसकी पहचान बेलहियाखेड़ा निवासी राजकुमार एवं कनकहा निवासी ज्ञानेन्द्र से संतराम के माध्यम से हुई थी। राजकुमार द्वारा बैंक में खाता खुलवाने के लिए 2000 रुपए देने का प्रलोभन दिया गया था। अभियुक्त को कल्ली पश्चिम स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र ले जाया गया, जहां फर्जी आधार कार्ड के आधार पर अवधराज सिंह नाम से खाता खुलवाया गया। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि खाता खोलते समय उसने अपने वास्तविक नाम के स्थान पर अवधराज सिंह नाम लिखकर हस्ताक्षर किए। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त द्वारा फर्जी व कूटरचित आधार कार्ड के आधार पर बैंक खाता खुलवाया गया।

# पाकिस्तान पीएम का पुतला फूंका गया, पाकिस्तान को आतंकी मुल्क घोषित करने की मांग

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के बड़ाइमाम बाड़ा पर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन। हैदरी टास्क फोर्स ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शिया समुदाय की मस्जिद पर हुए हमले का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने नाराजगी जताते हुए पाकिस्तान का झंडा इमामबाड़ा के गेट पर लगाया जिसपर लोग जूता चप्पल पहनकर गुजरे। हमले का विरोध करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और सेना अध्यक्ष आसिफ मुनीर का पुतला फूंका। पाकिस्तान मुदार्बाद का नारा लगाते हुए आतंकी देश घोषित करने की मांग किया। शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी ने कहा कि विगत 3 महीनों में पाकिस्तान में शिया समुदाय पर ये दूसरा बड़ा हमला है। इसमें बड़ी संख्या में बेगुनाहों की मौत हुई हुआ। हम लोग लगातार इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं मगर पाकिस्तान सरकार पर कोई असर नहीं हो रहा है। पहले पाराचीनार और अब इस्लामाबाद में हमले हो रहे हैं। मासूम बच्चे महिलाएं और बुजुर्ग हर रोज मारे जा रहे हैं। हालात ऐसे हो गए है कि घरों में दरवाजा खटखटा कर, नाम पूछ कर हत्या की जा रही है। अली जैदी ने कहा कि पाकिस्तान खुद को इस्लामिक मुल्क कहता है मगर वो इस्लामिक नहीं आतंकी देश है। बेगुनाहों की हत्याओं पर पाकिस्तान सरकार खामोश तमाशाई बनी है। पाकिस्तान सरकार मुसलमान तो दूर की बात है इंसान कहलाने के लायक भी नहीं है। ये हत्याएं आतंकी संगठन कर रहे है जिसको सरकार का पूरा समर्थन हासिल है। आतंकी संगठन चलाने वाले पाकिस्तान के आर्तकियों को सरकार सुरक्षा दे रही है। हत्या करने वालों को सऊदी अरब और अमेरिका से पूरी मदद मिल रही है। पाकिस्तान ने शिया मुसलमानों के खिलाफ जंग ऐलान कर दिया है। वहां पर शिया समुदाय के पुश्तों को खत्म करने की कोशिश है।

यूएनओ समेत तमाम मानव

# लोक निर्माण विभाग में बजट सरेन्डर होने की प्रबल सम्भावना

लखनऊ,(संवाददाता)। कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के पत्रांक-1828,सीईओ-4-56 ध्4-2025 लखनऊ, दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 द्वारा प्रदेश के अधिकांश जनपदों में लोक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं की ड्यूटी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पद पर लगा दी गयी है। कई जनपदों में खण्ड के अधिकांश सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता की ड्यूटी इस कार्य में लगा दी गयी है। यह ड्यूटी माह जनवरी से 31 मार्च 2026 तक रहेगी, जिसे आगे भी (विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण होने तक) बढ़ाया जा सकता है। खण्डों से प्राप्त अद्यतन सूचना के अनुसार जिन सहायक अभियंताओं,जूनियर इंजीनियर्स की ड्यूटी एस0आई0आर0 में लगायी गयी है, वह पूरे दिन निर्धारित स्थल पर सुनवाई करते हैं तथा सायंकाल प्रशासन के साथ बैठक एवं तत्पश्चात अभिलेखों की फीडिंग करते हैं, जिससे वह कार्यक्षेत्र एवं कार्यालय में समय नही दे पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सी0सी0 कार्य एवं समस्त विटुमिनस कार्य के सम्पादन के समय कार्य स्थल एवं प्लान्ट पर एक सहायक अभियंता एवं एक जूनियर इंजीनियर की षत्प्रतिषत उपस्थिति विभागीय सर्कुलर के अनुसार अनिवार्य है। इस प्रकार एसआईआर की ड्यूटी के दौरान कार्यो के मापन एवं गुणवत्ता की कोई भी जिम्मेदारी जूनियर इंजीनियर एवं सहायक अभियन्ता की नही होगी। इस प्रकार जूनियर इंजीनियर एवं सहायक अभियन्ता की ड्यूटी के दौरान कार्यो की गुणवत्ता प्रभावित होना एवं विकास कार्य की प्रगति प्रभावित होना स्वाभाविक है। लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के अर्न्तगत नव निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, विशेष मरम्मत तथा सामान्य मरम्मत इत्यादि के कार्यो हेतु बजट आवंटित है, जिसे माह जनवरी से 31 मार्च 2026 तक खर्च करते हुए निर्माण कार्य कराये जाने हैं, अन्यथा बजट लैप्स हो जायेगा। इस तीन माह में विभाग के अभियन्ताओं की ड्यूटी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में होने के कारण विभागीय कार्य प्रभावित होने के साथ ही साथ बजट लैप्स होना भी स्वाभाविक है, इससे जनमानस प्रभावित होगा। निर्माण कार्य प्रभावित होने तथा बजट लैप्स होने के कारण न केवल विभाग की अपितु सरकार की भी छवि खराब होगी। संघ के अध्यक्ष इं. एन.डी. द्विवेदी द्वारा प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष तथा प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखते हुए एसआईआर ड्यूटी में लगाये गये जूनियर इंजीनियर एवं सहायक अभियन्ताओं को ड्यूटी से अवमुक्त करने हेतु पत्र लिखा गया है। प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष द्वारा शासन को पत्र लिखते हुए विभागीय अभियन्ताओं को ड्यूटी से अवमुक्त करने हेतु आग्रह किया गया है। परन्तु किसी भी अभियन्ता की ड्यूटी एसआईआर से काटी नही गयी है। संघ द्वारा अन्ततः मुख्यमंत्री जी को विस्तृत पत्र लिखते हुए तथा साथ में पूरे प्रदेष में एसआईआर ड्यूटी में लगाये गये जूनियर इंजीनियर एवं सहायक अभियन्ताओं का खण्डवार विवरण संलग्न करते हुए अनुरोध किया गया है कि विभागीय अभियन्ताओं को एसआईआर की ड्यूटी से अवमुक्त किया जाय। अन्यथा मार्च 2026 तक कार्य पूर्ण नही हो पायेंगे एवं बजट लैप्स हो जायेगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के कतिपय खण्डों में समस्त कार्यरत सहायक अभियन्ताओंध्जूनियर इंजीनियर्स की ड्यूटी एसआईआर में लगा दी गयी है तथा कई खण्डों में अधिकांष सहायक अभियंताओं,जूनियर इंजीनियर की ड्यूटी एसआईआर में लगायी गयी है उदाहरणार्थ प्राखण्ड सम्भल में 15 अवर अभियन्ता कार्यरत हैं तथा सभी 15 जूइं की ड्यूटी एसआईआर में लगायी गयी है।

## ताजा खबर...

### यूपी विधानमंडल का बजट सत्र आज से, 11 फरवरी को पेश होगा बजट

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र नौ फरवरी यानी कल से प्रारंभ होगा। सत्र की औपचारिक शुरूआत राज्यपाल के अभिभाषण से की जाएगी। इसके बाद 11 फरवरी को योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 का आम बजट विधानसभा में प्रस्तुत करेगी। सता और विपक्ष दोनों पक्षों ने ही बजट सत्र को लेकर कमर कस ली है। विपक्ष ने सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 9 फरवरी को विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा और 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र के दौरान सरकार की आर्थिक नीतियों, विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि इस बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए रोजगार से जुड़े प्रावधानों पर विशेष फोकस रहेगा। सत्र के दौरान विभिन्न विभागों के अनुदान मांगों पर भी विचार किया जाएगा, वहीं विपक्ष द्वारा सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की रणनीति भी देखने को मिल सकती है।

### ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी वैगनआर कार,महिला समेत 2 लोग घायल

लखनऊ,(संवाददाता)। निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के पास रविवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। एक वैगनआर कार ईंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुस गई। हादसे में कार सवार महिला पुरूष गंभीर रूप से घायल हो गए।उनकी पहचान सरोजनीनगर के विकास और संगीता गंभीर रूप से घायल हो गईं। टक्कर इतनी भीषण रही कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रॉली पलट गई। इस दौरान पूर्व जल शक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह निगोहां क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसा देखकर उन्होंने अपना काफिला रोका। अपनी सुरक्षा में लगे एस्कॉर्ट वाहन से घायलों को मोहनलालगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। सीएचसी में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद संगीता और विकास की हालत गंभीर देखते हुए दोनों को ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह अस्पताल में मौजूद रहे। घायलों के रेफर होने तक व्यवस्था संभाली। पूर्व मंत्री ने एम्बुलेंस से घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेजवाने की व्यवस्था कराई। पीजीआई ट्रॉमा सेंटर प्रशासन से बात कर दोनों घायलों का तत्काल और बेहतर इलाज सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

### लड़ना है प्रधानी तो करो तैयारी

लखनऊए08 फरवरी 2026 ;यूएनएसद्ध। उत्तर प्रदेश त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की घोषणा कभी भी हो सकती है। बैलेट पेपर की छपाई पूरी हो चुकी है। बैलेट पेपर सभी जिलों में पहुंचा दिए गए हैं। मीडिया से मुखातिब पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सुलतानपुर में कहा कि 28 फरवरी को पंचायत चुनावों के लिए फाइनल वोटर लिस्ट आ जाएगी। उत्तर प्रदेश में पंचायतों का कार्यकाल जल्द ही पूरा होने वाला हैए इससे पहले प्रदेश सरकार पर गांव की सरकार चुन लेने का दबाव हैए चूंकि अभी तक सरकार की ओर से कोई अपडेट नजर नहीं आ रहाए ऐसे में लोगों में कंफ्यूजन की स्थिति है। गांवों में सियासी हलचल तेज है। भावी उम्मीदवार गांव में अपनी जमीन तैयार करने में पूरी ताकत झोंक चुके हैंए पानी की तरह पैसा भी बहाया जा रहा है लेकिन कोई यह बता नहीं पा रहा है कि चुनाव कब होंगेए टाइम पर हो भी पाएंगे या नहींघ सवालों पर विराम लगाने के लिए पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने साफ कहा कि पंचायत चुनाव समय पर होंगे। सरकार तैयार है। उन्होंने चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे लोगों को भी कमर कस लेने की अपील की है। सभी 75 जिलों में बैलेट पेपर पहुंचा दिए गए हैं।चुनाव में संभावित अड़चनों को भी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि किसी भ्रम में रहने की जरूरत नहीं है।28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट आ जाएगी इसके तत्काल बाद चुनावों की घोषणा कर दी जाएगी। कोई किसी तरह की दुविधा में न रहेए जिन्हें चुनाव लड़ना हैए वो तैयारी करें।

### स्वतंत्र देव का रास्ता रोकने वाले बीजेपी विधायक के समर्थन में उतरे गंगाचरण राजपूत

लखनऊ,(संवाददाता)। महोबा में जल जीवन मिशन की बदहाली पर यूपी के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से लोहा लेने वाले चरखारी से भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत के समर्थन में अब उनके पिता और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत उतर आए हैं। गंगाचरण राजपूत ने पार्टी की तरफ से बेटे को मिले नोटिस के बीच स्वतंत्र देव पर अनुशासनहीनता के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने जो कहा वह जनता का दर्द था।बुंदेलखंड में पानी की पाइपलाइन बिछाने के नाम पर खुदी पड़ी सड़कें अब भाजपा के अंदरूनी कलह का कारण बन गई हैं। चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत द्वारा मंत्री का काफिला रोकने और सोशल मीडिया पर बयानबाजी के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। विधायक को नोटिस पर उनके पिता घ्पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने सीधे जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर विधायक को नोटिस मिला है तो मंत्री को भी नोटिस मिलना चाहिए। जब संगठन ने मीडिया में बयानबाजी पर रोक लगाई थी तो मंत्री ने विधायक का श्राजनीतिक करियर खराब होने जैसी बात क्यों कहीघ उन्होंने इसे पार्टी संविधान का उल्लंघन बताया। घ्गांगाचरण ने कहा कि उनका बेटा सत्य और पानी की लड़ाई लड़ रहा हैए जिसे कुछ लोग जानबूझकर जातिवाद का रंग दे रहे हैं। पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने कहा कि मंत्रियों को अक्सर चापलूस घेर लेते हैं जो ऑल इज वेल का नारा लगाकर हकीकत छुपाते हैं।

### कोनेश्वर महादेव मंदिर को मिलेगा नया वैभव

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के चौक स्थित प्राचीन कोनेश्वर महादेव मंदिर अब अपने वैभव के नए शिखर की ओर अग्रसर है। मंदिर के कोने में विराजमान शिवलिंग की विशिष्ट पहचान और सदियों पुरानी मान्यताओं को केंद्र में रखते यूपी पर्यटन विभाग पौराणिक धरोहर के पर्यटन विकास को गति दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों पर एक करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्रामायण काल और भगवान राम के भाई लक्ष्मण से जुड़ी मान्यताएं मंदिर को विशेष बनाती है। गोमती नदी के तट पर स्थित यह कौण्डिन्य ऋषि का आश्रम थाए जिनका उल्लेख प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। मंदिर परिसर में आगंतुकों की सुविधा हेतु आधुनिक प्रकाश व्यवस्थाए स्वच्छ शौचालयए पेयजल सुविधा तथा श्रद्धालुओं के लिए विश्राम स्थल निर्माण कार्य होंगे।

## संपादकीय

### एक नए ग्लोबल ऑर्डर के रचयिता

इकोनॉमिक नैशनलिज्म के फिर से उभरने से दुनिया की राजनीति में पुराने रिवाज हिल गए हैं और नियमों पर आधारित इंटरनैशनल ऑर्डर में भरोसा डगमगा गया है। यह सबसे साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर के दौरान दिखा, जिसमें न सिर्फ दुश्मनों को, बल्कि साथियों को भी टारगेट किया गया। भारत, जो कभी अमरीका की इंडो-पैसिफिक पॉलिसी में एक पसंदीदा पार्टनर था और कनाडा, जो एक अच्छा पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरा दोस्त था, दोनों टैरिफ का शिकार हुए। मैसेज साफ था-स्वार्थ से चलने वाली दुनिया में, भरोसेमंद पार्टनर भी अब स्थिरता को हल्के में नहीं ले सकते।इसने मध्यम और उभरते देशों को ग्लोबल सिस्टम में अपनी जगह पर फिर से सोचने पर मजबूर किया। यहीं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और मार्क कार्नी के बताए गए विचार खास अहमियत रखते हैं। साथ मिलकर, अपने कामों और अपने आइडिया के जरिए, वे सहयोग और नियमों के सम्मान पर आधारित एक बैलेंस्ड ग्लोबल ऑर्डर की ओर इशारा करते हैं।

दावोस में कार्नी ने समाज के उस हिस्से की आवाज बनकर बात की, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है-डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग दुनिया की ह्यमिडल पावर्सह्न। उनकी स्पीच ने बड़े पावर स्ट्रगल और आर्थिक संकटों में फंसे देशों की नाराजगी को साफ तौर पर दिखाया। इससे भी जरूरी बात यह है कि उन्होंने दुनिया को एक नई वोकैबुलरी दी, जिसने डिवैल्प्ड और डिवैल्पिंग देशों के बीच बढ़ते गैप को कम करने और एक सांझा भविष्य की रक्षा करने की सांझी जिम्मेदारी पर जोर दिया। कार्नी का संदेश साफ था-रूल्स-बेस्ड ऑर्डर पर दबाव है लेकिन यह न तो आऊटडेटेड है और न ही रिप्लेसेबल। इसे रिफ्रैश करने की जरूरत है, छोडने की नहीं। इसी ग्लोबल इनस्टेबिलिटी के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी की अप्रोच कम शोर वाली रही लेकिन कम असरदार नहीं। बयानबाजी की बजाय, भारत ने रणनीतिक आर्थिक राजनीति पर फोकस किया। ट्रेड वॉर के एक दौर के बाद, नई दिल्ली ने न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपियन यूनियन जैसे पार्टनर्स के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स को तेजी से आगे बढ़ाया है। ये एग्रीमैंट इंटरनैशनल ट्रेड में बहुत जरूरी स्थिरता देते हैं, खुलेपन के लिए भारत की कमिटमैंट दिखाते हैं और इसे ग्लोबल कैपिटल के लिए एक पसंदीदा मार्केट और गंतव्य बनाते हैं। सप्लाई चेन में रुकावटों और अस्थिर कैपिटल फ्लो के समय में, भारत स्थिरता का एक मजबूत पिल्लर बनकर उभरा है। इन दोनों अप्रोच का कॉम्बिनेशन-कार्नी की आइडियोलॉजिकल दिशा और मोदी का प्रैक्टिकल परफॉर्मैंस-एक मजबूत कम्युनिटी के लिए स्टेज तैयार करता है। मार्च में कार्नी का भारत दौरा, जिसके दौरान एक बड़ी एनर्जी डील होने की संभावना है और कॉम्प्रिहैंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमैंट (सी.ई.पी.ए.) पर बातचीत चल रही है, इस कॉम्बिनेशन को दिखाता है। एक स्ट्रक्चर्ड इंडिया-कनाडा फ्री ट्रेड एग्रीमैंट से दोनों देशों को फायदा होगा-एनर्जी को-ऑप्रेशन मजबूत होगा, सप्लाई चेन में डायवर्सिटी आएगी और इन्वैस्टमैंट फ्लो बढ़ेगा। मोटे तौर पर, भारत और कनाडा दुनिया में स्थिरता के केंद्र बन सकते हैं। दोनों ही प्लूरलिस्टिक डैमोक्रेसी हैं, ग्लोबलाइजेशन के लाभार्थी हैं लेकिन इसकी इनइक्वालिटीज के बारे में भी अच्छी तरह जानते हैं।इकोनॉमिकली, डिप्लोमैटिकली और मोरली एक साथ आगे बढ़कर, ये दोनों देश रूल्स-बेस्ड ऑर्डर में भरोसा बनाए रख सकते हैं-एक ऐसा सिस्टम, जो सिर्फ पावरफुल लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम करे। ग्लोबल लीडरशिप अब सिर्फ दबदबे से तय नहीं होती। इसे पुल बनाने, भरोसा फिर से बनाने और तब स्थिरता देने से तय किया जाता है, जब दूसरे देश जीरो-सम सोच की ओर मुड़ जाते हैं। अलग-अलग तरीकों से, मोदी और कार्नी एक ही काम कर रहे हैं-चुपचाप एक नए ग्लोबल ऑर्डर का ब्लूप्रिंट बना रहे हैं।

# टैरिफ वार छेड़ने वाले ट्रम्प आखिर भारत के सामने कैसे नतमस्तक हुए

> क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोडूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

रवि शंकर

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौता करने की घोषणा की है। इसे दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक समझौतों में से एक कहा जा रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस समझौते की सबसे बड़ी वजह मौजूदा वैश्विक राजनीति है, जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कारोबार का इस्तेमाल अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए एक कूटनीतिक हथियार की तरह कर रहे हैं। अमरीका की इसी आक्रामकता का जवाब देने के लिए यूरोपीय संघ और भारत तेजी से मुक्त व्यापार समझौते की तरफ बढ़े हैं लेकिन इसके प्रभावी होने में अभी लंबा वक्त लग सकता है क्योंकि इसे कानूनी रूप देने के लिए यूरोपीय संघ की पार्ल्यामैंट और यूरोपीय परिषद में पारित करवाना है। बहरहाल, भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमैंट केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन और भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं का भी संकेत देता है। यह डील ऐसे समय में सामने आई है, जब अमरीका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमरीका भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लागू कर चुका है। लेकिन यूरोपीय संघ और भारत के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने अमरीका को आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर असहज कर दिया। यही वजह है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आखिरकार झुकना पड़ा और भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करना पड़ा।

यह फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला रहा क्योंकि इससे पहले तक बातचीत बेनतीजा रही थी और अमरीका लगातार भारत पर दबाव बना रहा था। यह समझौता सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि दबाव, मजबूरी और रणनीतिक बदलाव की भी मिसाल है। ट्रम्प के इस फैसले के पीछे भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच हुई बड़ी ट्रेड डील अहम वजह बनी। इस डील से भारत की ताकत बातचीत में बढ़ गई और अमरीका को यह डर सताने लगा कि कहीं वह पीछे न छूट जाए। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही भारत-ई.यू. डील को विकास, निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए बड़ा कदम बताया था। गौरतलब है कि दुनिया को जब डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ वॉर झकझोर रही थी, तब भारत ने सीधे टकराव की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना। भारत ने अपने उत्पादों के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे। यूरोपियन यूनियन के साथ ऐतिहासिक डील, ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों ने अमरीका पर दबाव बढ़ा दिया। ट्रम्प को समझ आ गया कि भारत के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेडना एक बड़ी गलती थी। यह समझौता सिर्फ कारोबार तक ही सीमित नहीं, बल्कि इसके प्रभाव वैश्विक राजनीति पर भी होंगे, खासकर अमरीकी आक्रामक कारोबार नीति पर। अमरीका लंबे समय से भारत जैसे बड़े बाजार के साथ एक बड़ी ट्रेड डील करना चाहता था, ताकि वह भारतीय बाजार से अधिकतम लाभ उठा सके। ऐसे में भारत और ई.यू. के बीच हुई डील अमरीका के लिए एक रणनीतिक झटका है, क्योंकि इससे अमरीका-भारत ट्रेड एग्रीमैंट की संभावनाएं कमजोर होती दिख रही थीं। यूरोपीय संघ के साथ समझौता आगे बढ़ाने का भारत का फैसला उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को दशार्ता है। इसी कदम ने संभवतरू अमरीका को यह संकेत दिया कि अगर वह भारत के साथ समझौता जल्दी नहीं करता, तो उसे रणनीतिक और आर्थिक नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि ट्रम्प को अपनी रणनीति भारत के खिलाफ बदलनी पड़ी। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों, जैसे कि रूसी कच्चा तेल पर समझौता किए बिना भी वैश्विक शक्तियों के साथ बराबरी के स्तर पर व्यापार कर सकता है। साफ है, भारत ने अमरीका के साथ सीधे टकराव की बजाय धैर्य, कूटनीति और वैकल्पिक बाजारों की रणनीति अपनाई। नतीजा यह हुआ कि टैरिफ वॉर में भारत मजबूती से खड़ा रहा और आखिरकार झुकना अमरीका को पड़ा। बहरहाल, यह समझौता भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक और चुनौतियां भी पेश करता है। यह दशार्ता है कि प्रमुख ग्लोबल अर्थव्यवस्थाओं के बीच संरक्षणवाद बढ़ रहा है। देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए टैरिफ और व्यापार धमकियों का इस्तेमाल करने में संकोच नहीं कर रहे। भारत को अपनी निर्यात रणनीतियों और व्यापार समझौतों को इस बदलते सीन के अनुरूप ढालना होगा। अगर अमरीका और ई.यू. जैसे बड़े ब्लॉक द्विपक्षीय समझौतों पर फोकस करते हैं तो भारत को अपनी सप्लाई चेन को और अधिक लचीला और विविध बनाने की जरूरत होगी ताकि एक या दो प्रमुख बाजारों पर निर्भरता कम हो सके। यह समझौता भारत को अपने खुद के मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से अंतिम रूप देने और मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकता है। विशेष रूप से उन देशों के साथ, जो प्रमुख व्यापारिक भागीदार हैं ताकि भविष्य में संभावित व्यापारिक दबावों से बचा जा सके। यह ग्लोबल ट्रैंड भारत को ह्यमेक इन इंडियाह्न जैसी पहलों के माध्यम से अपने स्वदेशी उत्पादन और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वह बाहरी झटकों के प्रति कम संवेदनशील बने।

# भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपनाह्न क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां देर आए, दुरुस्त आए की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दशार्ता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया। 50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और मेक इन इंडिया को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को ह्यनिरंतर धैर्य का परिणामह्न बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाजी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

# राहुल गांधी के प्रश्न उनके अनुभवहीन ज्ञान और धारणाओं पर आधारित

> प्रधानमंत्री द्वारा स्थिति को संभालना बहुत ही त्वरित था और सेना प्रमुख को उनके द्वारा उचित समझे जाने वाले तरीके से चीनी सेना को जवाब देने के उनके आदेश बिल्कुल सही थे। मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जनरलों और कमांडरों ने चीनी कार्रवाई से उत्पन्न एक पेचीदा स्थिति का बहुत ही मजबूती और बुद्धिमानी से जवाब दिया। कार्रवाई का तरीका सैन्य जनरलों पर छोडने का प्रधानमंत्री का निर्णय बहुत बुद्धिमानी भरा था। चूंकि मौके पर (युद्ध के मैदान में) मौजूद लोग ही स्थिति को अनावश्यक रूप से बढ़ाए बिना चीनी आक्रामकता को रोकने और पीछे हटाने के लिए आवश्यक आदेशों के प्रकार तय करने हेतु सबसे अच्छे जज होते हैं, इसलिए पी.एम. का फैसला पेशेवरों (सेना) पर छोडना सही था। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां सैन्य मामलों में राजनीतिक नेतृत्व के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आपदाएं आई हैं, क्योंकि युद्ध के मैदान की जमीनी हकीकत राजनीतिक निर्णय लेने की तुलना में बहुत अलग और कहीं अधिक जटिल होती है। उदाहरण के लिए, रूस के खिलाफ हिटलर का हमला और उसके बाद अपने जनरलों की विशेषज्ञ सलाह सुनने से उसका इंकार, जिन्होंने उसे रूसी क्षेत्र में गहराई तक न जाने की चेतावनी दी थी, जिसका परिणाम रूसी मोर्चे पर जर्मन सेना का पूर्ण विनाश हुआ। हिटलर ने मध्य पूर्वी मोर्चे पर भी यही गलती की थी, जहां उसने जनरल रोमेल (जिन्हें आमतौर पर ह्यडैजर्ट फॉक्सह्न के रूप में जाना जाता है) के सुझावों को खारिज कर दिया था, जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण जर्मनी को भारी नुकसान हुआ। युद्धों में अव्यावसायिक हस्तक्षेप के कारण संघर्ष हारने के और भी कई उदाहरण हैं, जैसे वाटरलू, हेमू और अकबर के बीच युद्ध, 1913 का दूसरा बाल्कन युद्ध (बुल्गारिया) और वियतनाम युद्ध। इतिहास ने हमें जो सिखाया है।

विश्वास डावर

एल.ए.सी. पर कैलाश रेंज के संबंध में राहुल गांधी के प्रश्न, जिनमें सरकार पर उचित प्रतिक्रिया देने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है, वे एल.ए.सी. कैलाश रेंज पर चीनी सेना की कार्रवाइयों से उत्पन्न स्थितियों में सैन्य कार्रवाइयों के संबंध में उनके अनुभवहीन ज्ञान और धारणाओं पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री द्वारा स्थिति को संभालना बहुत ही त्वरित था और सेना प्रमुख को उनके द्वारा उचित समझे जाने वाले तरीके से चीनी सेना को जवाब देने के उनके आदेश बिल्कुल सही थे। मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जनरलों और कमांडरों ने चीनी कार्रवाई से उत्पन्न एक पेचीदा स्थिति का बहुत ही मजबूती और बुद्धिमानी से जवाब दिया। कार्रवाई का तरीका सैन्य जनरलों पर छोडने का प्रधानमंत्री का निर्णय बहुत बुद्धिमानी भरा था। चूंकि मौके पर (युद्ध के मैदान में) मौजूद लोग ही स्थिति को अनावश्यक रूप से बढ़ाए बिना चीनी आक्रामकता को रोकने और पीछे हटाने के लिए आवश्यक आदेशों के प्रकार तय करने हेतु सबसे अच्छे जज होते हैं, इसलिए पी.एम. का फैसला पेशेवरों (सेना) पर छोडना सही था। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां सैन्य मामलों में राजनीतिक नेतृत्व के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आपदाएं आई हैं, क्योंकि युद्ध के मैदान की जमीनी हकीकत राजनीतिक निर्णय लेने की तुलना में बहुत अलग और कहीं अधिक जटिल होती है। उदाहरण के लिए, रूस के खिलाफ हिटलर का हमला और उसके बाद अपने जनरलों की विशेषज्ञ सलाह सुनने से उसका इंकार, जिन्होंने उसे रूसी क्षेत्र में गहराई तक न जाने की चेतावनी दी थी, जिसका परिणाम रूसी मोर्चे पर जर्मन सेना का पूर्ण विनाश हुआ। हिटलर ने मध्य पूर्वी मोर्चे पर भी यही गलती की थी, जहां उसने जनरल रोमेल (जिन्हें आमतौर पर ह्यडैजर्ट फॉक्सह्न के रूप में जाना जाता है) के सुझावों को खारिज कर दिया था, जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण जर्मनी को भारी नुकसान हुआ। युद्धों में अव्यावसायिक हस्तक्षेप के कारण संघर्ष हारने के और भी कई उदाहरण हैं, जैसे वाटरलू, हेमू और अकबर के बीच युद्ध, 1913 का दूसरा बाल्कन युद्ध (बुल्गारिया) और वियतनाम युद्ध। इतिहास ने हमें जो सिखाया है, उसे देखते हुए, राजनीतिक वर्ग

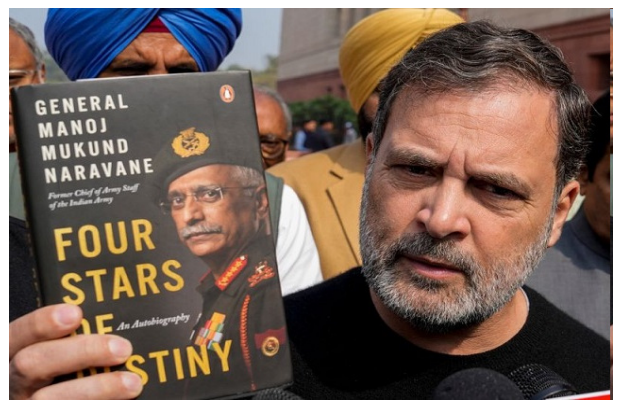


को यह निर्देश नहीं देना चाहिए कि युद्ध के मोर्चे पर निर्णय कैसे लिए जाएं। उन्हें केवल सैन्य कर्मियों से सैनिकों की तैयारी के संबंध में परामर्श करने के बाद यह तय करना चाहिए कि युद्ध में जाना है या नहीं, न कि बिना तैयारी के संघर्ष के लिए मजबूर करना चाहिए। हमने 1962 में ऐसी तैयारी की कमी के परिणाम देखे थे। जब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय सेना को चीनी सेना को भारतीय क्षेत्र से खदेडने का आदेश दिया, तो उन्होंने इसे जल्दबाजी में किया। सेना को बिना उचित उपकरण, पर्याप्त कपड़ों या पर्याप्त राशन के मोर्चे पर भेज दिया गया। हालांकि हमारे सैनिक अत्यधिक वीरता के साथ लड़े लेकिन जान-माल और क्षेत्र का नुकसान महत्वपूर्ण था क्योंकि हम चीनी सेना की तुलना में तैयार नहीं थे। हालांकि, 1967, 1987 और उसके बाद (यहां तक कि गलवान में भी) हमने मुंहतोड़ जवाब दिया क्योंकि हम उनका सामना करने के लिए तैयार थे। भारत ने अब चीनी खतरे को बहुत गंभीरता से लिया है और सुरंगों, कनैकिंग टनल, पुलों, सड़कों और हवाई पट्टियों का निर्माण करके चीन के साथ हमारी पूर्वी सीमा पर मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया है। पूरी चीनी सीमा को शेष भारत से जोड़कर, सैनिकों, सामानों और सामग्रियों की आवाजाही में काफी सुधार हुआ है। ऑप्रेशन सिंदूर (संभवतः ऑप्रेशन सिंधु का संदर्भ) की सफलता और दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों और हवाई अड्डों को इससे हुई तबाही सेना की तीनों शाखाओं-थल सेना, नौसेना और वायु सेना के सैन्य अधिकारियों की बहादुरी और सटीक योजना के कारण संभव हो सकी। सब कुछ बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के, सहज समन्वय और योजना के माध्यम से हासिल किया गया था। बलों को दुश्मन को दंडित करने की पूरी छूट दी गई थी, जिससे हम आतंकवादी बुनियादी ढांचे और उनकी वायु रक्षा को नष्ट करने में सक्षम हुए। पाकिस्तानियों को 4 दिनों के छोटे युद्ध में हराना सैन्य क्षेत्र की हर शाखा में हमारी सेना की तैयारी का स्पष्ट संकेत है। यह जीत राजनीतिक इच्छाशक्ति और हमारी सेना के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है कि वे निर्णायक रूप से कार्य करें और ऐसे किसी भी दुस्साहस को दंडित करें, जिससे पहलगाम जैसी त्रासदियों को रोका जा सके।ह्न प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट टीम ने सेना को दुश्मन के खिलाफ मजबूती से काम करने का अपार आत्मविश्वास दिया है क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व बिना किसी आंतरिक या बाहरी दबाव के सेना की कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। प्रतिकूल परिस्थितियों में किसी भी प्रकार के दुस्साहस को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए पूर्वी सीमा पर आधुनिक युद्ध मशीनें और उपकरण तैनात किए गए हैं।

# मनोरंजन

## अंडर-19 विश्वकप विजेता भारतीय टीम की वतन वापसी मुंबई एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

मुंबई। अंडर-19 विश्व कप 2026 की विजेता भारतीय टीम की रविवार को वतन वापसी हो गई। मुंबई एयरपोर्ट पर आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय अंडर-19 टीम का भव्य स्वागत हुआ। अंडर-19 विश्व कप 2026 की विजेता भारतीय टीम की रविवार को वतन वापसी हो गई। मुंबई एयरपोर्ट पर आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय अंडर-19 टीम का भव्य स्वागत हुआ। बता दें कि, भारत ने शुक्रवार (6 फरवरी) को इंग्लैंड के खिलाफ 100 रन से जीत दर्ज करते हुए छठी बार अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीता था। फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से रौंदा भारत ने इंग्लैंड को फाइनल में 100 रनों से हराया। भारत ने इंग्लैंड के सामने 412 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी फाइनल के सुपरस्टार रहे। उन्होंने 80 गेंद में 175 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, इंग्लैंड की ओर से कैलब फाल्कनर ने शतक जड़ा, लेकिन टीम को नहीं जिता पाए। फाल्कनर ने 67 गेंद पर 115 रन की पारी खेली। सर्वाधिक बार खिताबी मुकाबले खेलने का है रिकॉर्ड इसमें कोई शक नहीं है

# धनुष के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच इस एक्टर ने मृणाल पर बरसाए फूल

### सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

मृणाल ठाकुर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडयो में एक एक्टर उनपर फूल बरसाते हुए नजर आ रहे हैं। जानिए क्या है पूरा मामला। वैलेंटाइन वीक चल रहा है और शनिवार को ह्यरोज डेह्व था। इस दिन लवर्स अपने पार्टनर को फूल गिफ्ट करते हैं। ऐसे में रोज डे के दिन मृणाल ठाकुर पर उनके को-एक्टर ने एक नहीं, बल्कि दो बार फूलों की बारिश करवाई। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मृणाल पर हुई फूलों की बारिश दरअसल, मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म दो दीवाने सहर में के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में दिखाई देंगे। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी मूवी के प्रमोशन के लिए मुंबई में एक इवेंट में पहुंचे थे। इस बीच सिद्धांत ने एक नहीं, दो बार मृणाल पर फूलों की बारिश की। एक बार तब, जब वे इवेंट के दौरान फैंस से बातचीत कर रहीं थीं और दूसरी बार स्टेज पर। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। मृणाल और धनुष के बीच अफेयर की है चर्चा इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चचाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा था। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा था कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। हालांकि, मृणाल ठाकुर इन खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। उन्होंने इन खबरों को सिर्फ अफवाह का नाम दिया है। परफॉर्म करने के बाद नोरा फतेही ने मनाया जन्मदिन, वीडियो शेयर कर लिखा 'जय हिंद' मृणाल ठाकुर का वर्कफ्रंट मृणाल ठाकुर की अपकमिंग फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अलावा मृणाल की फिल्म 'डकैत' पाइपलाइन में है। इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

# सिल्वर एक्सेसरीज और बॉडीकॉन ड्रेस में दीपिका का ग्लैमरस अवतार, कैमरे के सामने दिए मदमस्त पोज

बॉलीवुड की स्टाइल आइकन और ग्लैमरस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। दीपिका अक्सर अपनी खूबसूरत और एलिगेंट तस्वीरों से फैंस का दिल जीत लेती हैं और इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। इन तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस आउटफिट में उनका लुक बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रहा है। ब्लैक ड्रेस उनके फिगर को खूबसूरती से हाईलाइट कर रही है, जिससे उनका कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ झलक रहा है। अपने इस लुक को और खास बनाने के लिए दीपिका ने सिल्वर एक्सेसरीज कैरी की हैं। ये एक्सेसरीज उनके आउटफिट के साथ परफेक्टली मैच कर रही हैं और पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं। एक्सेसरीज के साथ उनका स्टाइल और भी अट्रैक्टिव लग रहा है। वहीं, अपने मेकअप को दीपिका ने मिनिमल रखा है, जिससे उनका नैचुरल ब्यूटी चार्म उभरकर सामने आ रहा है। स्लीक बन हेयरस्टाइल ने उनके पूरे लुक को क्लासी और एलिगेंट बना दिया है। सादगी और स्टाइल का यह कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों में दीपिका ने अलग-अलग अंदाज में पोज दे रही हैं। हर फोटो में उनका कॉन्फिडेंस और स्टार पावर अलग ही दिखाई दे रही है। उनके हर एक्सप्रेशन और पोज पर फैंस फिदा हो गए हैं। जैसे ही दीपिका पादुकोण का यह पोस्ट सामने आया, सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। यूजर्स लगातार कमेंट्स कर उनकी तारीफ कर रहे

# रिलीज के 16वें दिन बॉर्डर 2 ने की जबरदस्त कमाई, की 300 करोड़ क्लब में एंट्री

बॉलीवुड के सुपरस्टार सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी को पर्दे पर रिलीज हुई थी। देशभक्ति पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शक के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म अच्छी-खासी कमाई करती नजर आ रही है। वहीं, रिलीज के 16 दिनों में बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में 300 करोड़ रुपए से अधिक

की कमाई कर ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने भारतीय बाजार में पहले सप्ताह में 224.25 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भारतीय बाजार में 70.15 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म ने 15वें दिन 2.85 करोड़ की कमाई की। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म बॉर्डर 2 ने 16वें दिन भारत में 4.25 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है । इसके साथ ही देश में बॉर्डर 2 की कमाई का आंकड़ा 301. 50 करोड़ रुपए हो गया है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे सितारे नजर आए हैं। फिल्म को जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

# परफॉर्म करने के बाद नोरा फतेही ने मनाया जन्मदिन, वीडियो शेयर कर लिखा 'जय हिंद'

नोरा फतेही ने पहले परफॉर्म किया है। इसके बाद उन्होंने अपना जन्मदिन मनाया है। इसका वीडियो उन्होंने शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही ने कल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो शेयर किया है और एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं

उन्होंने पोस्ट में क्या लिखा है? नोरा ने मनाया जन्मदिन नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने 'एक तो कम जिंदगानी', 'गर्मी', 'स्नेक' और 'वन्दे मातरम्' गाने पर शानदार परफॉर्म किया है। उन्होंने सबसे आखिर में एक वीडियो शेयर किया जिसमें देखा जा सकता है कि वह परफॉर्म करके वापस आईं। उनके साथियों और करीबियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लोगों का शुक्रिया अदा किया, केक पर लगी मोमबत्ती बुझाई और कई लोगों को हग किया।

# सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक, बोलीं- हम मशीन नहीं हैं

हाल ही में अदिति राव हैदरी साइलेंट फिल्म ह्यगांधी टॉक्सह्व में नजर आईं। अपने करियर और फिल्म इंडस्ट्री को लेकर उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत की। इस बातचीत में इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस पर अपना नजरिया

साझा किया है। अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है। कलाकार को काम के घंटे तय करने का हक होना चाहिए अमर उजाला से हुई बातचीत में अदिति राव हैदरी कहती हैं, ह्यमुझे लगता है कि यह हर व्यक्ति की अपनी पसंद है। अगर कोई कलाकार तय घंटे तक काम करना चाहता है, तो यह उसका पूरा हक है। अगर कोई अलग तरह से काम करना चाहता है, तो वह भी उसकी अपनी पसंद है। एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है वह आगे कहती हैं, ह्यफिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है। अदिति राव हैदरी आगे कौन सी फिल्म कर रही हैं? अदिति राव हैदरी हाल ही में फिल्म गांधी टॉक्स में नजर आईं। जल्द ही वह पंकज त्रिपाठी के साथ फिल्म पारिवारिक मनोरंजन में नजर आएंगी।

# सुशांत की मौत के 6 साल बाद रिया ने प्यार के लिए खोले दिल के दरवाजे

### कहा, मुझे प्यार पर भरोसा है

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद उनकी कथित गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बुरी तरह विवादों में घिर गई थीं। लंबी कानूनी उलझनों के बाद अब रिया वापिस अपनी पटरी पर लौट आई हैं और जल्द ही वो एक्टिंग में कमबैक करने जा रही है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक्टिंग में अपनी वापसी और प्यार को लेकर खुलकर बात की। हाल ही में एक इंटरव्यू में रिया चक्रवर्ती ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के छह साल बाद नए सिरे से अपनी जिंदगी और करियर को शुरू करने पर राय रखी। उन्होंने कहा कि लगभग सात साल से उन्हें काम नहीं मिला है। उन्हें लगने लगा था कि अब एक्टिंग के सपने को छोड़ देना चाहिए। हालांकि, ये उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। रिया ने कहा कि वो तो हमेशा से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखा करती थीं, लेकिन उस सपने को अपनी आंखों के सामने टूटते देखना बिल्कुल भी आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें एक्टिंग को भूलने के लिए थेरेपी का सहारा तक लेना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि जब हंसल मेहता ने अपने अपकमिंग सीरीज का ऑफर दिया तो पहले उन्होंने रिजेक्ट कर दिया था। रिया ने कहा, हंसल सर और राइटर ने मुझसे पूछा कि मुझे क्या रोक रहा है। मैंने उन्हें बताया कि मैंने एक्टिंग छोड़ दी है, तो उन्होंने कहा कि इस वजह से मुझे ये करना चाहिए, फर्क नहीं पड़ता कि मैं अच्छा करूं या नहीं। अब मुझे खुशी है कि मैंने हां कहा, सेट पर आना अलग अनुभव था, पिछले 7 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। ये बिल्कुल साइकिल चलाने जैसा है, जिसे आप कभी नहीं भूलते। आगे रिया ने प्यार को लेकर बात करते हुए कहा कि प्यार के लिए उन्होंने अपने दिल का दरवाजा खुला रखा है। आज भी वो मानती हैं कि प्यार बहुत ही खूबसूरत चीज है और वो अपनी लाइफ में दोबारा प्यार को मौका देने के लिए राजी हैं क्योंकि उन्हें प्यार में भरोसा है। बता दें, साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की जिंदगी में गहरा तूफान आया। कानूनी जांच, मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक आलोचनाओं ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। ड्रग्स से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने करीब 28 दिन भायखला जेल में बिताए। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह बाहर आईं। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिरकार उन्हें मार्च 2025 में क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, इन पांच सालों के बीच रिया की पूरी तरह बदल गई। वहीं, अब पांच सालों तक जिंदगी में चली उठा-पटक के बाद रिया और मजबूत होकर सामने आई हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं।

# बदल गई अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला की रिलीज डेट, अब इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फैंस भी उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अक्षय कुमार ने अपने एक्स अकाउंट पर एक छोटा सा टीजर शेयर किया है जिसमें एक काली बिल्ली दिखाई दे रही है। टेबल पर एक कैलेंडर रखा हुआ है, जो मई के पन्ने पर खुला है। बिल्ली 15 मई को खरोंचती है, कैलेंडर जमीन पर गिर जाता है और अप्रैल के पन्ने पर दूध फैल जाता है। बिल्ली 10 तारीख को चाटती है, जो फिल्म की नई रिलीज डेट का इशारा है। बता दें, भूत बंगला की रिलीज बदल गई है। पहले यह फिल्म 15 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब दर्शकों को इसके लिए कम इंतजार करना पड़ेगा। अब यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने जा रही है। बता दें, फिल्म भूत बंगला का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन फिर से एक साथ आए हैं। भूत बंगला से पहले अक्षय और प्रियदर्शन हेराफेरी, गरम मसाला, भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन और खट्टा मीठा में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म में दिवंगत एक्टर असरानी भी नजर आएंगे।

## वानखेड़े स्टेडियम की पिच से निराश हुए अक्षर सपाट विकेट नहीं होने पर जताई हैरानी

मुंबई। अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही थी। अब टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच देखकर हैरान रह गए थे। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल वानखेड़े स्टेडियम की पिच से निराश हुए। भारत और अमेरिका के बीच शनिवार को मुंबई में टी20 विश्व कप का मुकाबला खेला गया था। भारतीय टीम की बल्लेबाजी इस मैच में अच्छी नहीं रही थी और कप्तान सूर्यकुमार यादव को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका था। अक्षर ने कहा कि वह वानखेड़े की पिच देखकर हैरान थे क्योंकि मुंबई की पिच आमतौर पर सपाट होती है जहां हाई स्कोरिंग मैच देखने मिलते हैं। अक्षर बोले- चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने का भरोसा था मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी क्रम के ध्वस्त होने के बावजूद अक्षर ने कहा कि टीम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने को लेकर आश्वस्त थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 77 रन तक छह विकेट गंवा दिए थे लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी से मेजबान टीम नौ विकेट पर 161 रन बनाने में सफल रही। भारत ने अमेरिका को आठ विकेट पर 132 रन पर रोककर 29 रन से जीत दर्ज की। अक्षर ने कहा, योजना मैच की स्थिति के अनुसार बनाई जाती है। आम तौर पर मुंबई में विकेट सपाट होता है और हमें यह तय करने में लगभग तीन ओवर लगे कि अच्छा स्कोर क्या होगा।

# सुरक्षा से लेकर सेमीकंडक्टर तक बड़े समझौते जानिए पीएम मोदी के मलयेशिया दौरे का पूरा सार

**कुआलालंपुर।** पीएम मोदी की मलयेशिया यात्रा पर विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) पी कुमारन ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के रिश्तों को ह्यबढ़ी हुई रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था। उन्होंने आगे बताया कि 2024 में मलयेशियाई पीएम की भारत यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलयेशिया दौरे पर कुआलालंपुर से विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट), पी. कुमारन ने कहा, 'यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 2015 में प्रधानमंत्री की मलयेशिया की पिछली आधिकारिक यात्रा के लगभग एक दशक बाद हो रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'दोनों प्रधानमंत्रियों ने हमारी पार्टनरशिप के पूरे दायरे में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की, जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान शामिल हैं।' भारतीय समुदाय से सीधा संवाद विदेश मंत्रालय के सचिव

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के कुआलालंपुर आगमन पर भव्य सांस्कृतिक तरीके से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने साथ मिलकर एमआईएनईएस इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मलयेशिया में भारतीय समुदाय के इतिहास पर प्रदर्शनी और करीब 800 स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल रहीं, जिसने साझा सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया। एक ही स्थान पर इतने कलाकारों द्वारा भारतीय नृत्य प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड मलेशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने की भी जानकारी दी गई। समझौते और सहयोग के नए क्षेत्र पी. कुमारन ने आगे कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। इस दौरान सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य, सुरक्षा, तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा, आपदा प्रबंधन और ऑडियो-विजुअल सहयोग से जुड़े कई समझौता ज्ञापन और समझौते हुए। भ्रष्टाचार से निपटने के लिए मलयेशिया की एंटी-करप्शन एजेंसी और भारत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा, संस्कृति और प्रवासी भारतीय इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया में थिरुवल्लुवर सेंटर की स्थापना और मलयेशियाई विद्वानों के लिए थिरुवल्लुवर स्कॉलरशिप की घोषणा की। भारतीय समुदाय की सेवाओं को मजबूत करने के लिए मलयेशिया में एक नया वाणिज्य दूतावास खोलने का भी एलान किया गया। करीब 29 लाख भारतीय मूल के लोगों को दोनों देशों के बीच 'जीवंत सेतु' बताया गया। 2025 में 14 लाख भारतीय पर्यटक मलयेशिया गए, जबकि तीन लाख मलयेशियाई पर्यटकों ने भारत की यात्रा की, जिससे मलयेशिया आसियान क्षेत्र से भारत आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत बना। रक्षा, सुरक्षा और आतंकवाद से मुकाबला वहीं दोनों प्रधानमंत्रियों ने रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा की। सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त अभ्यासों के साथ-साथ रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड सहित कई भारतीय कंपनियां मलयेशिया में सक्रिय हैं। आतंकवाद पर प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि कोई समझौता नहीं होगा और दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जाएंगे। दोनों देशों के बीच आतंकवाद से मुकाबला पर संयुक्त कार्य समूह और सुरक्षा संवाद लगातार चल रहे हैं'। डिजिटल भुगतान और कनेक्टिविटी विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट), पी. कुमारन ने आगे कहा कि क्रॉस-बॉर्डर क्यूआर आधारित भुगतान और यूपीआई लिंक पर काम जारी है। इससे पर्यटकों, कामगारों और व्यापार को सीधा लाभ मिलेगा। हवाई संपर्क बढ़ाने और नए रूट खोलने पर भी सहमति बनी है। प्रधानमंत्री ने आसियान के साथ सहयोग, भारत की एक्ट ईस्ट नीति, इंडो-पैसिफिक विजन और ब्रिक्स में मलयेशिया की भागीदारी का भी जिक्र किया और भविष्य में संबंध और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

# कैलिफोर्निया में तेज रफ्तार का कहर, बेकाबू कार ने चार को रौंदा हादसे के बाद ड्राइवर को लेकर बड़ा खुलासा

**कैलिफोर्निया।** कैलिफोर्निया के ट्रकी शहर में एक खूबसूरत पहाड़ी माहौल में शनिवार को डरावना हादसा हुआ। 49 वर्षीय ड्राइवर ने जानबूझकर गोरसरी स्टोर के सामने कार घुसा दिया, जिसमें चार लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल थे।

कैलिफोर्निया के एक खूबसूरत पहाड़ी शहर कार में शनिवार को एक डरावना हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति ने जानबूझकर कार को ट्रकी के सेफवे गोरसरी स्टोर के सामने घुसा दिया और वहां मौजूद पैदल यात्रियों को घायल कर दिया। इस घटना में चार लोग घायल हुए, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल थे। पुलिस ने बताया 49 साल का ड्राइवर, जो सैन जोआक्विन वैली के कोलिंगा का रहने वाला है, जानबूझकर पैदल यात्रियों और स्टोर को टक्कर मार रहा था। पुलिस ने इस बात की भी जानकारी दी इस घटना में किसी को भी गंभीर की चोटें नहीं आई है। वहीं घटनास्थल पर मौजूद 39 वर्षीय स्कॉटी मैथ्यूसन ने बताया कि वो अपनी पत्नी के साथ खरीदारी कर रहे थे, तभी उन्होंने जोर की आवाज और चीख-पुकार सुनी। उनकी पत्नी ने तुरंत 911 को फोन किया।

मैथ्यूसन ने और-क्या-क्या कहा? मैथ्यूसन ने बताया कि उन्होंने भी लोगों की मदद की और देखा कि कोई मलबे के नीचे फंसा तो नहीं। उन्होंने बताया कि स्टोर के सामने एक बच्चे की बेसबॉल टीम का टेबल लगा था, जो पैसे जुटा रही थी। माता-पिता बच्चे को ढूंढने में बहुत परेशान थे। मैथ्यूसन ने कहा कि हम अक्सर टीवी या इंटरनेट पर ऐसी बातें देखते हैं, लेकिन इसे पास से देखना बिल्कुल अलग एहसास है। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने ड्राइवर को डरा कर बाहर निकलने की कोशिश की और कार की दरवाजे खोलने की कोशिश की, लेकिन वाहन बंद था। ड्राइवर शांत बैठा रहा, जब तक पुलिस वहां नहीं पहुंची और उसे पकड़ नहीं लिया। गिरफ्तारी और आरोप बता दें कि ड्राइवर को घातक हथियार से हमला, फेलोनी वेन्डलिज्म और प्रोबेशन उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे नेवाडा सिटी की जेल में रखा गया, जो कार से करीब एक घंटे की दूरी पर है। अभी तक ड्राइवर का कोई सार्वजनिक संपर्क या वकील नहीं है।

# अमेरिका ने इसमें शामिल होने के लिए भारत को भेजा न्योता रणनीतिक रिश्ते होंगे और मजबूत

**वॉशिंगटन।** भारत-अमेरिका के हालिया व्यापार समझौते के बाद अब नई पहल सामने आई है। अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है। यह पहल सिलिकॉन और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने के लिए शुरू की गई है। इससे दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते और मजबूत होंगे। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के रिश्तों को और बेहतर करने की दिशा में एक और नई पहल सामने आई है। अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है। इस बात को लेकर जारी बयान में अमेरिका की ओर से बताया कि भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया है और जल्द ही भारत सरकार के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर भी किया जाएगा। अमेरिकी अधिकारी जैकब हेलबर्ग ने बताया कि यह पहल आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस आमंत्रण पर भारत के साथ संबंधों में बहुत सकारात्मक गति देखने को मिल रही है। अब

समझिए क्या है कि पैक्स सिलिका? बता दें कि पैक्स सिलिका दिसंबर 2025 में अमेरिका ने शुरू की थी। इसका मकसद सिक्का (सिलिकॉन) और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों, उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स में एक सुरक्षित और समृद्ध आपूर्ति श्रृंखला बनाना है। इस पहल में ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, जापान, इस्त्राइल, सिंगापुर, कतर, दक्षिण कोरिया, यूएई और ग्रीस शामिल हैं और अब भारत को भी इसमें शामिल किया जा रहा है। जनवरी में बनी थी इस पर सहमति हेलबर्ग ने बताया कि अमेरिका और भारत ने जनवरी में ही इस पर सहमति बना ली थी। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी खनन और प्रसंस्करण परियोजनाएं हैं, जो आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। हेलबर्ग ने यह भी कहा कि भारत चीन के मुकाबले युवा और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित जनसंख्या के मामले में एकमात्र देश है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते पर भी सहमति बन गई है। इसके तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम या समाप्त करेगा, जबकि अमेरिका भारत के उत्पादों पर शुल्क को 18 प्रतिशत तक घटाएगा। हेलबर्ग ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका और भारत दोनों बहुत बड़े देश हैं। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और भारत जनसंख्या में सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता देश है। इसलिए सहयोग करना थोड़ा जटिल होता है, लेकिन दोनों देशों में साझेदारी के अवसर बहुत हैं।

# अमेरिका को खत्म कर रहा इस्लामी प्रवास रिपब्लिकन सांसद बोले- पाकिस्तान जैसा लगता है डलास

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका में इस्लामी प्रवास को लेकर एक रिपब्लिकन सांसद के बयान से विवाद बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। दरअसल, टेक्सास राज्य से रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने डलास और उसके आसपास के इलाकों में

सांसद ब्रैंडन गिल ने कहा है कि टेक्सासवासियों को मॉल जाकर ऐसा महसूस नहीं करना चाहिए जैसे वे पाकिस्तान में हों। बड़े पैमाने पर इस्लामी प्रवास उस अमेरिका को नष्ट कर रहा है जिसे हम जानते हैं और प्यार करते हैं। अमेरिका के 'इस्लामीकरण' को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि कुछ जगहों पर हालात ऐसे हो गए हैं कि वहां जाने के बाद लगता है कि जैसे आप डलास नहीं, पाकिस्तान में है।' ब्रैंडन गिल ने यह बयान एक इंटरव्यू में दिया। उन्होंने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के कई लोग उनसे बार-बार शिकायत कर रहे हैं। रिपब्लिकन सांसद के मुताबिक, उनके इलाके में तेजी से मस्जिदें बन रही हैं, कई मस्जिदें ऐसी जमीनों के पास बन रही हैं, जो पीढ़ियों से स्थानीय अमेरिकी परिवारों की रही हैं, पूरे-पूरे समुदाय 'तेजी से बदल' रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लोग बताते हैं कि जब वे अपने स्थानीय मॉल जाते हैं, तो चारों तरफ देखने पर ऐसा लगता है जैसे वे पाकिस्तान में हों, न कि डलास, टेक्सास में।' सोशल मीडिया पर भी तीखी टिप्पणी ब्रैंडन गिल ने सोशल मीडिया पर भी बयान देते हुए कहा कि 'बड़े पैमाने पर इस्लामी प्रवास उस अमेरिका को खत्म कर रहा है, जिसे हम जानते और प्यार करते हैं।' कौन हैं ब्रैंडन गिल? ब्रैंडन गिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में टेक्सास के 26वें कांग्रेस जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे 2024 में चुने गए थे। वे अमेरिकी संसद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका, बजट, निगरानी समितियों के सदस्य हैं। वे डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी सब-कमेटी में भी हैं, जहां उनका फोकस सीमा सुरक्षा, सरकारी खर्च में कटौती और आर्थिक मजबूती पर है। बयान पर विवाद बढ़ने के आसार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयान अमेरिका में धार्मिक विविधता, प्रवास और सामाजिक बदलाव को लेकर चल रही बहस को और तेज कर सकते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी और मानवाधिकार संगठनों की ओर से इस बयान पर प्रतिक्रिया आने की संभावना है।

## सत्ता में वापसी करती दिख रहीं पीएम ताकाइची एग्जिट पोल में सत्तारूढ़ गठबंधन को बहुमत मिलने के संकेत

**टोक्यो।** जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद के निचले सदन के चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के संकेत मिल रहे हैं। ताकाइची पिछले साल जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। ताजा सर्वेक्षणों में क्या कहा गया है और ताकाइची की सत्ता में वापसी के क्या मायने होंगे, पढ़िए रिपोर्ट- जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के सत्तारूढ़ गठबंधन को रविवार को हुए अहम संसदीय चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के आसार हैं।सार्वजनिक टेलीविजन एनएचके और अन्य प्रमुख मीडिया संस्थानों ने अपने एग्जिट में पोल में यह अनुमान जताया है। एनएचके के अनुसार, ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन संसद के निचले सदन की 465 सीटों में से दो-तिहाई से अधिक सीटें जीत सकता है। निचला सदन जापान की द्वि-सदनीय संसद का सबसे ताकतवर सदन है। चीन के साथ तनाव और अमेरिका से संबंधों में मजबूती चुनाव से पहले जितनी सीटें ताकाइची की पार्टी को मिलने की उम्मीद थी, अब उससे कहीं ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। इससे ताकाइची को अपने दक्षिणपंथी नीतियों को लागू करने में मदद मिल सकती है, जिसमें जापान की अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता को मजबूत करना भी शामिल है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब जापान चीन के साथ तनाव बढ़ा हुआ है और वह अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। देश की पहली प्रधानमंत्री बनी थीं ताकाइची ताकाइची को अति रूढ़िवादी नेता माना जाता है। वह अक्तूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। ताकाइची ने 'काम, काम और काम' का संकल्प लिया। उनके काम करने के तरीके को सख्त माना जाता है। वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। सर्वेक्षणों में एलडीपी को भारी जीत मिलने की संभावना ताजा सर्वेक्षणों के अनुसार, निचले सदन में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को भारी जीत मिलने की संभावना है। विपक्षी गठबंधन की क्या स्थिति है? विपक्ष में नया गठबंधन है। यह गठबंधन बहुत मध्य विचारधारा वाला है। हालांकि, यह गठबंधन ताकाइची के लिए कोई बड़ी चुनौती बनता नजर नहीं आ रहा है। बहुमत नहीं मिला तो छोड़ दूंगी पीएम का पदः ताकाइची ताकाइची की पार्टी एलडीपी अपने नए सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी (जेआईपी) के साथ मिलकर निचले सदन में बहुमत पाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा कि अगर उन्हें बहुमत नहीं मिला, तो वह प्रधानमंत्री का पद छोड़ देंगी। सत्तारूढ़ गठबंधन के जीत के क्या मायने होंगे? ताकाइची के गठबंधन की बड़ी जीत का मतलब यह हो सकता है कि जापान की सुरक्षा, आव्रजन और अन्य नीतियों में दक्षिणपंथी रुख मजबूत होगा। जेआईपी के नेता हिरोफुमी योशिमुरा ने कहा कि उनकी पार्टी इस प्रक्रिया को तेज करने में मदद करेगी। हाल ही में जापान में एंटी-ग्लोबलिस्ट और नेशनलिस्ट पार्टी सानसेइटो जैसे दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दलों ने भी ताकत बढ़ाई है।

# मिलान में ओलंपिक के खिलाफ भड़का जनआक्रोश शांतिपूर्ण मार्च कैसे बना हिंसक प्रदर्शन

**मिलान।** 2026 शीतकालीन ओलंपिक की तैयारियों के बीच इटली के मिलान शहर में विरोध की आवाजें तेज हो गई हैं। पर्यावरण, महंगाई और सामाजिक असर को लेकर शुरू हुआ शांतिपूर्ण प्रदर्शन अचानक हिंसा में बदल गया। पुलिस की सख्ती, आंसू गैस और पानी की बौछारों ने हालात को और गंभीर बना दिया। इटली के शहर मिलान में शनिवार देर रात 2026 शीतकालीन ओलंपिक के खिलाफ हुआ एक प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। दिनभर शांतिपूर्ण रहा यह मार्च रात होते-होते प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में बदल गया। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस और पानी की बौछारों (वॉटर कैनन) का इस्तेमाल करना पड़ा। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार दिन के समय हजारों लोग मिलान की सड़कों पर उतरे थे। ये लोग 2026 में होने वाले विंटर ओलंपिक का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ओलंपिक के लिए हो रहा निर्माण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है और इससे आम लोगों पर आर्थिक और सामाजिक बोझ बढ़ेगा। इस प्रदर्शन का आयोजन अनसस्टेनेबल ओलंपिक्स कमेटी नाम के समूह ने किया था। इसमें मिलान, लोम्बार्डी और उत्तरी इटली के दूसरे इलाकों से लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने इटली सरकार पर लगाए आरोप प्रदर्शन में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, घरों के अधिकार के लिए लड़ने वाले समूह, मजदूर यूनियन, फलस्तीन समर्थक संगठन और ट्रांसफेमिनिस्ट समूह भी शामिल थे। कई प्रदर्शनकारियों ने इटली सरकार पर सख्त सुरक्षा नीतियों और नस्ली अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का आरोप भी लगाया। कैसे उग्र हुआ आंदोलन? बता दें कि शनिवार दोपहर तक प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। लोग हाथों में हाथ डालकर चल रहे थे, गाने गा रहे थे और नाच रहे थे। लेकिन रात के समय माहौल बदल गया। जब मार्च ओलंपिक विलेज के पास पहुंचा, जहां भारी पुलिस बल तैनात था, तभी तनाव बढ़ गया।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने खिलाड़ियों के रहने की जगह की ओर पटाखे और धुएं के बम फेंके, हालांकि ये इमारतों तक नहीं पहुंच पाए। इसके बाद मार्च का एक हिस्सा रास्ता बदलकर विया बेनाको होते हुए पियाजाले कोवेटो पहुंचा। वहां मौजूद एक छोटे समूह ने पुलिस पर पटाखे फेंकने शुरू कर दिए। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया चार्ज इसके जवाब में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर चार्ज किया और फिर पानी की बौछारों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बाद में कुछ लोगों ने पुलिस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल ज्यादातर लोग हिंसा का हिस्सा नहीं बने और वे चौक के मुख्य हिस्से में शांत खड़े रहे। इटली में हिंसा और इसका असर गौरतलब है कि यह हिंसा ऐसे समय में हुई जब एक दिन पहले ही 2026 शीतकालीन ओलंपिक का आधिकारिक उद्घाटन समारोह मिलान के सैन सिरो स्टेडियम में बड़े स्तर पर हुआ था। इस समारोह में मशहूर इतालवी गायक आंद्रेआ बोचेली और अमेरिकी सिंगर मारिया केरी ने प्रस्तुति दी थी। इसी बीच, एक अलग घटना में उत्तरी इटली के शहर बोलोन्या में रेलवे सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। इटली के परिवहन मंत्री ने कहा कि रेलवे लाइनों पर संभावित जानबूझकर की गई तोड़फोड़ की जांच की जा रही है। उन्होंने इसे पहले से सोची-समझी साजिश बताया और कहा कि अधिकारियों को समन्वित हमले की आशंका है।

# रूसी खुफिया एजेंसी के शीर्ष अधिकारी पर हमले का आरोपी दुबई में गिरफ्तार

**मॉस्को।** मॉस्को में रूसी खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी पर गोलीबारी के मामले में आरोपी को दुबई से गिरफ्तार कर रूस लाया गया। संघीय सुरक्षा सेवा ने यूक्रेन पर हमले का आरोप लगाया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने दावा किया है कि मॉस्को में रूसी सैन्य खुफिया एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी पर गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को दुबई से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को रूस को सौंप दिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। एफएसबी के अनुसार, संदिग्ध की पहचान रूसी नागरिक ल्यूबोमिर कोर्बा के रूप में हुई है, जिस पर रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर गोली चलाने का आरोप है। यह हमला शुक्रवार को मॉस्को के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर हुआ था। हमले में अलेक्सेयेव को कई गोलियां लगी थीं, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमले में दो और लोगों की भूमिका आई सामने रूसी जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस हमले में दो और लोगों की भूमिका सामने आई है एक सहयोगी को मॉस्को से गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा कथित रूप से यूक्रेन भाग गया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस घटना को संभावित आतंकी हमला करार देते हुए आरोप लगाया कि इसका उद्देश्य शांति वार्ता को नुकसान पहुंचाना था। हालांकि, यूक्रेन की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बातचीत के बीच हुआ हमला यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच अबू धाबी में युद्ध समाप्त करने को लेकर दो दिनों तक बातचीत चली थी। दिलचस्प बात यह है कि इन वाताओं में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व खुफिया एजेंसी प्रमुख एडमिरल इगोर कोस्त्युकोव कर रहे थे, जो अलेक्सेयेव के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

# चीन में तिब्बती बच्चों की धार्मिक आजादी पर सख्ती 18 साल से कम उम्र वालों को मठों में प्रवेश पर रोक

**बीजिंग।** चीन सरकार ने तिब्बती क्षेत्रों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के मठों में प्रवेश पर रोक लगा दी है। इस फैसले को तिब्बती संस्कृति और धार्मिक अधिकारों पर हमला माना जा रहा है। चीन सरकार ने तिब्बती समुदाय के धार्मिक जीवन पर नियंत्रण और कड़ा करते हुए 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के मठों में प्रवेश पर रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस फैसले से तिब्बती संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बच्चों को मठों में जाने की अनुमति नहीं इस प्रतिबंध की जानकारी तब सामने आई जब चीनी मैसेजिंग ऐप वीचैट पर एक वीडियो सामने आया। इसके बाद तिब्बती अधिकारों के उल्लंघन को लेकर चिंता बढ़ गई। तिब्बत और निर्वासित तिब्बतियों से जुड़े समाचार पोर्टल फायुल (ढँ८४') के अनुसार, खाम क्षेत्र के एक मठ के प्रवेश द्वार पर स्पष्ट रूप से लिखा नोटिस लगाया गया है '18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का मठ में प्रवेश वर्जित है।' रिपोर्ट में बताया गया है कि यह पाबंदी ऐसे समय लागू की गई है, जब तिब्बती इलाकों में सर्दियों की छुट्टियों के चलते स्कूल बंद रहते हैं। आमतौर पर इस दौरान बच्चे अपने माता-पिता के साथ मठों में धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते थे, लेकिन अब परिवार के साथ होने पर भी बच्चों को मठों में जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने की कोशिश तिब्बत वॉच से जुड़े शोधकर्ता सोनम तोबग्याल ने इस कदम को तिब्बती सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने की एक सुनियोजित कोशिश बताया है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में चीन ने तिब्बत में कई ऐसी नीतियां लागू की हैं, जिनमें तिब्बती बच्चों के लिए अनिवार्य बोर्डिंग स्कूल, छुट्टियों के दौरान मठों में तिब्बती भाषा सिखाने पर रोक और अब बच्चों के मठों में प्रवेश पर प्रतिबंध शामिल हैं। तोबग्याल के अनुसार, ये सभी कदम बचपन के सबसे महत्वपूर्ण दौर में बच्चों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर करने की दिशा में उठाए गए हैं

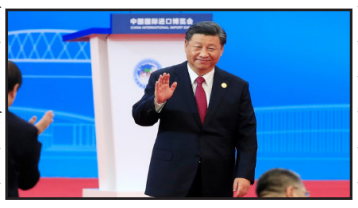

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।